सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" प्रसन्नता वह औषधि है, जो हर मर्ज को ठीक कर सकती है
सबसे खास बात कि वो मिलती भी अपने ही अंदर है....!! "
प्रसन्न रहिए, सुखी रहिए
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–191 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 30 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

बाढ़ का अद्भुत नजारा : समुद्र सा दिख रहा त्रिवेणी संगम, कुलेश्वर महादेव का चबूतरा जलमग्न

लगातार बारिश और सिकासार जलाशय से पानी छोड़े जाने के बाद तीर्थराज राजिम का त्रिवेणी संगम इन दिनों रौद्र और मनमोहक रूप में

नई दृष्टिबिंदु / राजिम-रायपुर

लगातार बारिश और सिकासार जलाशय से पानी छोड़े जाने के बाद तीर्थराज राजिम का त्रिवेणी संगम इन दिनों रौद्र और मनमोहक रूप में बह रहा है। महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों का जलस्तर बढ़ने से संगम का नजारा विशाल समुद्र जैसा प्रतीत हो रहा है। दूर-दूर तक केवल पानी ही पानी दिखाई दे रहा है।

कुलेश्वर महादेव मंदिर चारों ओर से घिरा

नदी के मध्य स्थित आस्था के केंद्र कुलेश्वर महादेव मंदिर का चबूतरा चारों तरफ से पानी से घिर गया है। मंदिर सुरक्षित है, लेकिन बढ़ते जलस्तर ने इसकी भव्यता को और बढ़ा दिया है। संगम में बने 4 से 5 रेनिकेट भी पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं, जिससे नदी के तेज बहाव का अंदाजा लगाया जा सकता है। गढ़ियाबंद और धमतरी के ऊपरी क्षेत्रों में हो रही बारिश का असर सीधे राजिम संगम पर दिख रहा है। नदी पूरे वेग से बह रही है।

प्रशासन सतर्क, लोगों से की गई अपील

बढ़ते जलस्तर और प्राकृतिक सौंदर्य को देखने बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक संगम तट पहुंच रहे हैं। किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए प्रशासन अलर्ट है।

एसडीएम विशाल महाराणा, थाना प्रभारी अमृतलाल साहू, नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, सभापति आकाश राजपूत सहित प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने संगम तट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने लोगों से नदी के तेज बहाव के बीच पानी के समीप न जाने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। बाढ़ के बीच राजिम संगम का यह अलौकिक दृश्य एक ओर प्रकृति की विराट शक्ति का एहसास करा रहा है तो दूसरी ओर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

"नई दृष्टिबिंदु" को मिला कैलाश जैन बरमेचा का संरक्षण

समाज, साहित्य और पत्रकारिता को मिलेगी नई दिशा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सांध्य दैनिक **नई दृष्टिबिंदु** के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक रहा। अब से **"नई दृष्टिबिंदु"** को प्रबंधकीय, सामाजिक और साहित्यिक-सांस्कृतिक दृष्टि से दुर्ग-भिलाई के प्रख्यात समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा का संरक्षण प्राप्त हो गया है।

दुर्ग में आज **"नई दृष्टिबिंदु"** के संपादक एवं प्रकाशक आलोक तिवारी ने कैलाश जैन बरमेचा से भेंट कर आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर कैलाश जैन बरमेचा ने पत्र की निष्पक्ष, जनहितैषी और रचनात्मक पत्रकारिता की सराहना करते हुए सलाहकार संपादक के रूप में निरंतर मार्गदर्शन देते रहने का आश्वासन दिया।

"जनता की आवाज बनेगा अखबार"

कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि किसी भी समाज के निर्माण में स्वस्थ पत्रकारिता की अहम भूमिका होती है। **"नई दृष्टिबिंदु"** आमजन की समस्याओं, सामाजिक मुद्दों और सांस्कृतिक चेतना को मंच दे। उन्होंने भरोसा जताया कि आलोक तिवारी के नेतृत्व में यह अखबार दुर्ग-भिलाई ही नहीं पूरे क्षेत्र की आवाज बनेगा।

सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रहेगी पत्रकारिता

आलोक तिवारी ने कहा कि कैलाश जैन बरमेचा का संरक्षण और मार्गदर्शन **"नई दृष्टिबिंदु"** परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उनके अनुभव और सामाजिक सोच से अखबार को नई ऊर्जा मिलेगी। हमारा प्रयास रहेगा कि अखबार जन सरोकारों से जुड़कर समाज में सकारात्मक बदलाव का वाहक बने।

इस अवसर पर समाजसेवी निलेश साहू, नई दृष्टिबिंदु परिवार से अद्वितीय तिवारी और पत्रकार सत्यम सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। कैलाश जैन बरमेचा के संरक्षण से **"नई दृष्टिबिंदु"** अब न केवल खबरों का आईना बनेगा, बल्कि समाज, साहित्य और संस्कृति को जोड़ने वाला सेतु भी बनेगा।

संसद से सड़क तक हंगामा : राहुल ने मांगा अमित शाह का इस्तीफा

सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग छात्रों की रिहाई का दिया आदेश, नीट-पेपर लीक मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

नीट और पेपर लीक मामले ने संसद के मानसून सत्र का पारा चढ़ा दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार पर सीधा हमला बोला। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने नीट आंदोलन के दौरान गिरफ्तार छात्रों की रिहाई को लेकर बड़ा अंतरिम आदेश जारी किया।

राहुल गांधी: "गृह मंत्री अमित शाह दें इस्तीफा"

राहुल गांधी ने सदन में आरोप लगाया कि छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई और पेलेट गन के इस्तेमाल के आदेश गृह मंत्रालय की ओर से दिए गए थे। उन्होंने कहा, "जब तक गृह मंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, विपक्ष का विरोध जारी रहेगा।"

राहुल के बयान के बाद सदन में भारी हंगामा हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने पलटवार करते हुए आरोपों को निराधार बताया। पात्रा ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान कोई गोलीबारी नहीं हुई। राहुल गांधी बिना सबूत के देश को गुमराह कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश: नाबालिग और बिना रिकॉर्ड वाले छात्र रिहा हों

नीट आंदोलन के दौरान गिरफ्तार छात्रों के मामले में उच्चतम न्यायालय की अध्यक्षता वाली पीठ ने अंतरिम आदेश दिया कि 18 वर्ष से कम आयु के और बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले छात्रों को तुरंत रिहा किया जाए।

इस पर सीजेपी (CJP) ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार ने सभी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ FIR वापस लेने का लिखित आश्वासन दिया था। इसलिए बिना शर्त सभी पर कार्रवाई वापस होनी चाहिए।

वहीं सरकार ने स्पष्ट किया कि आश्वासन केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले बेकसूर छात्रों के लिए था। उपद्रव और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी। नीट-पेपर लीक मुद्दे को लेकर अब संसद से लेकर सड़क और कोर्ट तक टकराव तेज हो गया है।

विश्लेषण

"रील की ताकत" : जंतर-मंतर आंदोलन में Gen-Z ने IT सेल और गोदी मीडिया को दी मात

सीए और किसान आंदोलन से कैसे अलग था छात्रों का ये डिजिटल युद्ध

आलोक तिवारी/ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन ने न सिर्फ सरकार को झुकाया, बल्कि विरोध प्रदर्शन करने के तौर-तरीके को भी बदल दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार पारंपरिक गोदी मीडिया और आईटी सेल के पुराने नैरेटिव Gen-Z के डिजिटल हमले के आगे पूरी तरह फेल हो गए। नतीजा : शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

मीडिया की मोहताजी खत्म, खुद बने मीडिया : सीए और किसान आंदोलन में प्रदर्शनकारियों को अपनी बात जनता तक पहुंचाने के लिए टीवी चैनलों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन जंतर-मंतर पर जमा Gen-Z ने रास्ता ही बदल दिया। छात्रों ने मेनस्ट्रीम पत्रकारों को आंदोलन स्थल पर एंट्री नहीं दी। इसके बजाय इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स और (ट्विटर) लाइव के जरिए ग्राउंड जीरो से सीधे कंटेंट डाला। हर लाठीचार्ज, हर भाषण, हर गिरफ्तारी का वीडियो कुछ ही मिनटों में वायरल हो गया। जनता ने खबर टीवी पर नहीं, मोबाइल पर देखी।

प्रोपेगैंडा से पहले फैक्ट, आरोप से पहले मीम : आईटी सेल के वही पुराने आरोप - विदेशी फंडिंग, चीन-पाकिस्तान कनेक्शन, एंटी-हिंदू एंगल, मेट्रो में अराजकता - इस बार भी आए। लेकिन फर्क ये था कि आरोप लगते ही सेकेंड्स में छात्रों की तरफ से पूरा वीडियो सबूत के साथ आ जाता था।

सबसे बड़ा बदलाव: छात्रों ने गंभीर बहस के जाल में नहीं फंसे। विदेशी फंडिंग के आरोपों का जवाब उन्होंने मीम्स और कॉमिक रील्स से दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इसी मीम कल्चर ने आईटी सेल को बैकफुट पर धकेल दिया और आंदोलन को हल्का होने से बचाया।

एकजुटता बनी सबसे बड़ी ढाल : सीए और किसान आंदोलन में सांप्रदायिक और क्षेत्रीय एंगल तलाशे जाते रहे। लेकिन जंतर-मंतर पर हर वर्ग, हर राज्य के छात्र एक साथ थे। किसी भड़काऊ बयान या सांप्रदायिक टिप्पणी को छात्रों ने आपस में ही रोक दिया। अंदरूनी निगरानी इतनी मजबूत थी कि आंदोलन को बदनाम करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं हो सकी। वरिष्ठ पत्रकारों का मानना है कि आज की युवा पीढ़ी IT सेल और मीडिया के नैरेटिव बनाने का फॉर्मूला पहले से समझती है। इसलिए दुष्प्रचार वायरल होने से पहले ही उसकी हवा निकल जाती है।

क्या बदला ?

सीएए/किसान आंदोलन	जंतर-मंतर छात्र आंदोलन
मीडिया पर निर्भरता	खुद का डिजिटल इकोसिस्टम
आरोपों का तथ्यों से जवाब	आरोपों का मीम्स और वीडियो से जवाब
नैरेटिव को तोड़ने में समय लगा	नैरेटिव जन्मते ही खत्म

जंतर-मंतर का आंदोलन साबित करता है कि अब सड़क के साथ-साथ सोशल मीडिया पर लड़ाई जीतना भी जरूरी है। Gen-Z ने दिखा दिया कि अगर कंट्रोल आपके हाथ में है, तो नैरेटिव भी आपका होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव झांसी में सड़क हादसे में घायल, हालत स्थिर, खतरे से बाहर

झांसी। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव बुधवार को उत्तर प्रदेश के झांसी में हुए एक सड़क हादसे में घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना में किरण सिंह देव को शरीर में चोटें आई हैं फिलहाल खतरे से बाहर हैं। उनकी चिकित्सकीय जांच एवं उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में चिंता का माहौल बन गया। प्रदेशभर से पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है तथा उनके जल्द स्वस्थ होकर सामान्य कार्यों में लौटने की प्रार्थना की है। भाजपा के सूत्रों के अनुसार चिकित्सकों की सलाह के अनुरूप उनका उपचार जारी रहेगा और स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद आगे की चिकित्सकीय सलाह के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

'खुदाई में मिला सोना' बताकर पीतल का हार बेचने वाले अंतर्राज्यीय ठग गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश

रायपुर कमिश्नरेट पुलिस की बड़ी कार्रवाई : तीन मामलों में 22.50 लाख की ठगी, मुंबई से 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस ने खुदाई में पुराना सोना मिलने की झूठी कहानी बनाकर पीतल के हार लाखों में बेचने वाले अंतर्राज्यीय ठग गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) की मॉनिटरिंग में एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट और तीन थानों की संयुक्त टीम ने मुख्य आरोपी सहित 2 महिलाओं को मुंबई (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया है।

ऐसे देते थे ठगी को अंजाम

पुलिस के अनुसार गिरोह का तरीका एक जैसा था। आरोपी पहले आर्थिक रूप से सक्षम लोगों को चुनते थे। खुद को दिहाड़ी मजदूर या खुदाई करने वाला बताकर कहते थे कि खुदाई में पुराने सोने के आभूषण और सिक्के मिले हैं। विश्वास जीतने के लिए पीतल के भारी हार में से असली सोने का छोटा टुकड़ा तोड़कर जांच के लिए दे देते थे। जब वह असली निकलता तो पीड़ित झांसे में आ जाता। इसके बाद बहन-बेटी की शादी या आर्थिक मजबूरी बताकर पूरा हार कम दाम में बेच देते थे। बाद में पता चलता कि पूरा हार पीतल का है और आरोपी फरार हो चुके होते थे। गिरोह पीतल के आभूषण दिल्ली के करोल बाग से लाता था। मुख्य आरोपी शंभू राय स्टोन बेचने के बहाने शिकार चुनता था।

मुंबई से गिरफ्तारी, करोड़ों की ठगी का खुलासा

तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना पर टीम मुंबई पहुंची और मुख्य आरोपी शंभू राय पिता कन्हैया लाल राय, गीता गुजराती और शांति गुजराती को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शंभू महिलाओं को मां या रिश्तेदार बताकर साथ ले जाता था। आरोपियों ने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों में एक दर्जन से अधिक ठगी करना स्वीकार किया है। देशभर में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की जानकारी सामने आई है।

12 लाख का माल जप्त

आरोपियों से नगदी 09 लाख रुपये, चांदी के 12 सिक्के, पीतल के आभूषण और 04 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। जप्त मशरूका की कुल कीमत लगभग 12 लाख रुपये है। आरोपी शंभू राय के पास से चार फर्जी आधार कार्ड भी मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

तीन मामलों का हुआ खुलासा, 22.50 लाख की ठगी

1. थाना न्यू राजेन्द्र नगर : 18 जनवरी 2026 को प्रार्थी महेश कानस्कर से 2.50 लाख की ठगी। अपराध क्रमांक 92/26
2. थाना तेलीबांधा : 1 जून 2026 को प्रार्थी यश मोटवानी से 10 लाख की ठगी। अपराध क्रमांक 249/26
3. थाना डी.डी. नगर : 23 जून 2026 को प्रार्थी धवल बडोदरिया से 10 लाख की ठगी। अपराध क्रमांक 390/26 तीनों मामलों में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत FIR दर्ज है।

माधोपाली पुल हादसा : 60 घंटे बाद कार सहित दंपति के शव बरामद

लगातार बारिश के बीच रेस्क्यू ऑपरेशन सफल, इलाके में शोक

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़-बिलाईगढ़

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच माधोपाली पुल पर हुए दर्दनाक हादसे का 60 घंटे बाद दुखद अंत हुआ। लात नाला में बही कार के साथ घोटला बड़े निवासी पूर्व सरपंच देवनारायण पटेल और उनकी पत्नी के शव बरामद कर लिए गए हैं।

क्या था मामला

रविवार शाम तेज बहाव के दौरान माधोपाली पुल पार करते समय देवनारायण पटेल अपनी पत्नी के साथ कार में सवार थे। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर लात नाला में बह गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई थी।

60 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

लगातार तेज बहाव और खराब मौसम के कारण राहत एवं बचाव कार्य में भारी दिक्कतें आईं। इसके बावजूद पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय ग्रामीणों की संयुक्त टीम ने अभियान जारी रखा। करीब 60 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार देर रात रेस्क्यू टीम ने नाले से कार के साथ दोनों पति-पत्नी के शव बरामद कर लिए।

शोक की लहर

इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। रेस्क्यू के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर मौजूद रहे और दंपति के सकुशल मिलने की प्रार्थना करते रहे। शव मिलने की खबर से गांव में मातम पसर गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलगांव के नवकार परिसर में गुरु पूर्णिमा पर रामदेव बाबा दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन के लिए लगी लंबी कतारें, प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दरबार पहुंचे, परिसर में मेले जैसा वातावरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पुलगांव नाका स्थित नवकार परिसर के श्री रामदेव बाबा दरबार में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र (चालीसगांव) के संत गुरुदेव सोहनलाल बापजी की पावन स्मृति में आयोजित महोत्सव में उनकी शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दरबार पहुंचे, जिससे पूरे परिसर में मेले जैसा वातावरण देखने को मिला। प्रातःकाल गुरुदेव की महाआरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद दिनभर भजन-कीर्तन का आयोजन चलता रहा। प्रसिद्ध भजन गायक गौरव बजाज ने गुरुदेव के जीवन पर आधारित भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते हुए नृत्य एवं संकीर्तन कर अपनी श्रद्धा अर्पित करते रहे। गुरु पूर्णिमा महोत्सव में जनप्रतिनिधियों, धार्मिक, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी पहुंचकर भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन किए तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

प्रमुख रूप से पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. सरोज पांडेय, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, प्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष अशोक राठी, जिला कैट चेयरपर्सन पवन बढ़जात्या, श्री साई मंदिर समिति अध्यक्ष धनेंद्र सिंह चंदेल, सचिव धीरेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष रामेंद्र वंजारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी दर्शन के लिए दरबार पहुंचे थे। दोपहर में महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

महोत्सव में श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन, पायल जैन, मनीष जैन, प्रवीण पींचा, गौरव बजाज, गौरव पींचा, राकेश धाड़ीवाल, संतोष छाजेड़, महावीर बाफना, मनीष छाजेड़, मोंटी सोनी, प्रशांत शर्मा, आशीष सोनी, पंकज राव, रूपल गुप्ता, गूंजा पींचा सहित समिति के अन्य सदस्यों ने व्यवस्था संभालते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन की भव्यता और व्यवस्थाओं के अलावा श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव को यादगार बना दिया।

खास खबर

कल कला मंदिर, सिविक सेंटर में होगा भव्य "याद-ए-रफी" संगीत समारोह का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित ऑर्केस्ट्रा ओबेरायज्म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 को रात्रि 7:30 बजे सिविक सेंटर, भिलाई स्थित कला मंदिर में सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक मोहम्मद रफी की मधुर स्मृतियों को समर्पित भव्य संगीत संध्या "याद-ए-रफी" का आयोजन किया जाएगा।

संस्था के संचालक इकबाल ओबेराय ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के ख्यातिप्राप्त गायक-गायिकाएँ अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को रफी साहब के सदाबहार गीतों की सुरमयी दुनिया में ले जाएँगे। इनमें पुणे से इन्द्रनील चौधरी, रायपुर से इकबाल ओबेराय, शेख अमीन, डॉ. जावेद अली एवं धर्मेन्द्र रावल तथा भिलाई से देवव्रत राय, पी.टी. उक्षास, परन भाटिया, सजीव सुधाकरन, अक्षय फिलिप्स, वीणा मखीजा, मधुरिमा रे, तान्या समद्दार, सरोज खत्री एवं स्नेहा जोशी अपनी शानदार प्रस्तुतियाँ देंगे। वाद्य संगीत में तरुण पहाड़े (सिंथेसाइजर), मिलाप लांजेवार (की-बोर्ड), आशुतोष लांजेवार (गिटार), मनोज (ऑक्टोपैड), कमल जानी (ऑक्टोपैड), भागवत साहू (ढोलक) तथा रवि (तबला) अपनी उत्कृष्ट संगत से कार्यक्रम को यादगार बनाएँगे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ओबेरायज ऑर्केस्ट्रा की विशेष प्रस्तुति होगी।

कार्यक्रम का मंच संचालन आकाशवाणी रायपुर के उद्घोषक दीपक हटवार तथा भोपाल के विजय मनवानी करेंगे। इस वर्ष का "याद-ए-रफी" कार्यक्रम दिवंगत अभिनेता धर्मेन्द्र को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित रहेगा। उनकी फिल्मों के लगभग 50 सदाबहार गीत 15 गायक-गायिकाओं द्वारा प्रस्तुत किए जाएँगे। कार्यक्रम में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

जिला स्तरीय परामशर्दात्री समिति की बैठक 4 अगस्त को

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला स्तरीय परामशर्दात्री समिति की बैठक 4 अगस्त को अपरान्ह 5 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सभी सदस्य (बैंकर्स/शासकीय विभाग के अधिकारी) को प्रस्तावित एजेंडा अनुसार पूर्ण अद्यतन जानकारी सहित समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

रिसाली का दशहरा मैदान 1.83 करोड़ से संवरेगा

विधायक ललित चंद्राकर ने 3 करोड़ 27 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में बुधवार को 3 करोड़ 27 लाख 52 हजार रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ। दुर्ग ग्रामीण विधायक लित चंद्राकर ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर अलग-अलग वार्डो में विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

दशहरा मैदान का होगा कायाकल्प

विधायक ने रिसाली सेक्टर वार्ड-08 स्थित दशहरा मैदान के सौंदर्यीकरण के लिए 1 करोड़ 83 लाख 32 हजार रुपये के कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि अब से दशहरा मैदान की दशा और दिशा दोनों बदल जाएंगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह मैदान रिसाली की पहचान बनेगा। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार बिना भेदभाव के अपने संकल्प पूरे कर रही है। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनता के हित में विकास करना ही उनका उद्देश्य है।

गुरू पूर्णिमा पर 300 दीप प्रज्वलित

गुरू पूर्णिमा और संत रविदास की 650वीं जयंती पर विधायक ललित चंद्राकर ने हनुमान मंदिर में 300 दीप जलाए। उन्होंने कहा कि यह दीप समरसता और सामाजिक समरसता को समर्पित हैं। देश में मार्ग दिखाने वाला गुरू ही होता है। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद शीला नारखेड़े, माया यादव, धर्मेन्द्र भगत, सारिका साहू, रमा साहू, मनीष यादव, सविता ढवस, सुनंदा दीपक चंद्राकर, सीमा साहू, सरिता देवांगन, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल सहित भाजपा पदाधिकारी और जिला मुख्यालय से आए पार्षद शिवेन्द्र परिहार उपस्थित थे।

इन वार्डो में भी हुए भूमिपूजन

1. वार्ड-06 रूआबांधा सेक्टर - 37.67 लाख रुपये
2. वार्ड-05 एचएससीएल रूआबांधा - 53.39 लाख रुपये
3. वार्ड-07 रिसाली सेक्टर पूर्व - 33.68 लाख रुपये
4. वार्ड-08 रिसाली सेक्टर पश्चिम - 202.78 लाख रुपये

बाबा धाम धनोरा में 2 अगस्त को मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा पर्व

दिग्गज कलाकार रहेंगे उपस्थित और होगा उनका सम्मान, गीत-संगीत से होगा सराबोर

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में हर साल की भांति इस वर्ष भी स्व.परमानंद कठोलिया के स्मृति में श्रद्धांजलि एवं पुण्य तिथि मनाया जाएगा। दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी ने बताया कि 2 अगस्त रविवार को सुबह 10 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। सबसे पहले स्व. परमानंद कठोलिया के तैलचित्र पर पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया जाएगा। तत्पश्चात कलाकारों का आगमन एवं सम्मान किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री ममता चन्दाकर, प्रेम चन्दाकर फिल्म निर्देशक, विशेष अतिथि दुर्ध्वत हरमुख, श्रीमती रिंकी देवांगन लोक गायिका, स्वर कोकिला कविता वासनिक, सुश्री हिमानी वासनिक, कु. कनक साहू बाल कलाकार, लोकगायिका तृषा साहू, लोकगायिका टोमन वर्मा, जस जगराता गायक एवं गांव के जीतेन्द्र टंडन सभापति जनपद पंचायत दुर्ग, राकेश हिरवानी उपाध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग, श्रीमती रुलेशवरी चन्द्रशेखर बंजारे सरपंच धनोरा, श्रीमती संगीता सपरे उपसरपंच धनोरा, ग्रामीण पटेल चैतु राम साहू एवं ग्रामीण उपस्थित रहेंगे। दोपहर 12 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा जिसमें अपने-अपने गीत संगीत प्रस्तुत किए जाएंगे।

शाम 5 बजे से सुश्री हिमानी वासनिक द्वारा भरथरी गायन का अपने टीम द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। रात्रि 8 बजे से श्रीराधा कृष्ण सेवा एवं फाग मंडली गुलाब साहू द्वारा झांकी प्रस्तुत किया जाएगा। यह जानकारी दरबार प्रति निधी चन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी। सभी भक्तों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं।

गुरु पूर्णिमा पर श्रमण संघ परिवार का अनुपम समर्पण, 50 बेला और 5 तेला तपस्या की भेंट

4 माह तक चलेगा नवकार महामंत्र का जाप

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर दुर्ग स्थित श्रमण संघ परिवार के सदस्यों ने मंगलवार को गुरुभक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्र संत मानव मिलन संस्थापक परम पूज्य गुरुदेव श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज के चरणों में 50 बेला एवं 5 तेला तपस्या की भावपूर्ण भेंट अर्पित की गई। पूरा वातावरण गुरुभक्ति, साधना और आध्यात्मिक उल्लास से ओत-प्रोत रहा।

"गुरु स्वयं मार्ग बन जाते हैं"

गुरुदेव ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा केवल वंदन तक सीमित नहीं होती। उनके बताए संयम, तप, त्याग और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने में ही वास्तविक गुरुभक्ति निहित है। उन्होंने कहा कि तपस्या आत्मशुद्धि का श्रेष्ठ माध्यम है और यह आत्मबल तथा आध्यात्मिक उन्नति का आधार बनती है।

चार माह तक नवकार महामंत्र का जाप

इस अवसर पर घोषणा की गई कि आज से आगामी चार माह तक प्रतिदिन दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक नवकार महामंत्र का एक घंटे का जाप श्रद्धालुओं द्वारा नियमित रूप से किया जाएगा। अलग-अलग परिवार इस जप अनुष्ठान की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह सामूहिक साधना समाज में शांति, सद्भाव और आत्मजागरण का संदेश देगी।

कल होगा तपस्वियों का सामूहिक पारणा

बेला एवं तेला तप करने वाले तपस्वियों का सामूहिक पारणा बुधवार को जय आनंद मधुकर रतन भवन की भोजनशाला में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न होगा। इसमें सभी तपस्वी साधक उपस्थित रहेंगे। श्रमण संघ परिवार ने गुरु पूर्णिमा को तप और आराधना के माध्यम से मनाकर समाज को संयम और साधना की प्रेरणा दी। गुरुभक्ति और तप की यह साधना अनेक जनों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर सांई मंदिर में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

सिविल लाइन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सुबह से ही श्री साई बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरे दिन मंदिर परिसर साई नाम के जयघोष और भक्ति रस से सराबोर रहा। मंदिर के मुख्य पुजारी कैलाशचंद तिवारी के सान्निध्य में प्रातःकाल श्री साई बाबा का विधिवत महाभिषेक संपन्न हुआ। पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं को महाप्रसादी वितरित की गई। दोपहर में साई महिला भजन मंडली, कसारीडीह ने अपनी संगीतमय भजन प्रस्तुति से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। भक्ति की इस अनुपम बेला में अनेक श्रद्धालु भजनों की धुन पर झूम उठे और नृत्य-गायन के माध्यम से अपनी अटूट श्रद्धा एवं भक्ति का भाव प्रकट किया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी श्री साई बाबा के दर्शन कर प्रदेश एवं शहर की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष धनेंद्र सिंह चंदेल, सचिव धीरेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष रामेन्द्र बंजारी, उपाध्यक्ष मुरलीधर राऊत, सह-सचिव संतोष खिरोडकर, प्रचार मंत्री अजय सुरपाम, कार्यकारिणी सदस्य रोमनाथ साहू, विनय चंद्राकर, विशेष आमंत्रित सदस्य दशरथ साहू, कार्यालय प्रभारी श्रीधर भजने सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य श्रद्धालुओं की सुविधा एवं व्यवस्थाओं में पूरे समय सक्रिय रहे।

एनएसयूआई ने प्रवेश पोर्टल पुन: शुरू करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एनएसयूआई ने मंगलवार को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति को ज्ञापन सौंपकर विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया का पोर्टल पुनः प्रारंभ करने की मांग की। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव आदित्य नारंग के नेतृत्व में छात्र नेताओं ने कुलपति से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में कहा गया कि पोर्टल बंद होने से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रवेश से वंचित हो रहे हैं।

कुलपति ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जल्द से जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर एनएसयूआई के छात्र नेता तुषार कुमार, युवा तिरुपति चंद्राकर, पीयूष सिन्हा, मृदुल सिंह, अभय देशलहरे, भूपेन्द्र यादव, रोहन ताम्रकार, रवि ठाकुर, यश सोनी, आयुष चंद्रा, आलोक शर्मा, पीयूष साहू, विपुल शर्मा, तौहीद अंसारी, निखिल यादव, स्वप्निल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीएसपी में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की हुई 153वीं बैठक

राजभाषा पखवाड़ा और 'भिलाई भाषा भारती' के प्रकाशन पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 153वीं तिमाही समीक्षा बैठक सोमवार को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं समिति के कार्यकारी अध्यक्ष पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

सितंबर में होगा राजभाषा पखवाड़ा

बैठक में उप महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन एवं प्रभारी राजभाषा) राघवेन्द्र कुमार गर्ग ने सितंबर माह में राजभाषा पखवाड़ा आयोजित किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिंदी में कार्यालयीन कामकाज को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों से पखवाड़ा को सफल बनाने में सहयोग का आग्रह किया।

'भिलाई भाषा भारती' और 'महानदी' के लिए मांगी रचनाएं

पवन कुमार ने कहा कि हिंदी में कार्य करने में प्रत्येक कार्मिक की भागीदारी सुनिश्चित करना हम सबका दायित्व है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में संयंत्र की पत्रिका 'भिलाई भाषा भारती' और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पत्रिका 'महानदी' का प्रकाशन किया जाना है। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों से इन पत्रिकाओं के लिए अधिक से अधिक रचनाएं भेजने और राजभाषा पखवाड़ा में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने उन विभागों का विशेष उल्लेख किया जिनमें हिंदी में पत्राचार का प्रतिशत कम है और उनसे इसे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने को कहा।

टेक्नोलॉजी से दूर होंगी कठिनाइयां

पवन कुमार ने कहा कि हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने में कठिनाई होने पर कार्मिक राजभाषा विभाग से संपर्क कर सकते हैं। वर्तमान दौर में ऑनलाइन वॉइस टाइपिंग जैसी तकनीक की सहायता से भी हिंदी में कार्य को आसान बनाया जा सकता है।

बैठक में महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सौमिक डे सहित सभी कार्यपालक निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक और विभाग प्रमुख ऑनलाइन उपस्थित थे। उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन - राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने पिछली बैठक के अनुपालन प्रतिवेदन के साथ आगामी तिमाही की कार्यसूची प्रस्तुत कर शत-प्रतिशत हिंदी में पत्राचार करने वाले विभागों का उल्लेख किया। बैठक का संचालन और आभार प्रदर्शन भी मानिकपुरी द्वारा किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने किया बूढ़ा महादेव से खुड़िया तक सावन कांवड़ यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण

बूढ़ा महादेव, राजा नवागांव, भोरमदेव, डोंगरिया और खुड़िया में कांवड़ियों के विश्राम सुविधा के लिए दिए निर्देश, कांवड़ यात्रा मार्ग, विश्राम स्थलों व मंदिर परिसरों का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पवित्र सावन मास में मध्यप्रदेश के नमर्दा नगरी अमरकंटक से जल लेकर भगवान बूढ़ा महादेव एवं भोरमदेव मंदिर में जलाभिषेक करने आने वाले हजारों कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कबीरधाम जिले में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बूढ़ा महादेव मंदिर कवर्धा से लेकर भोरमदेव, राजानवागांव, डोंगरिया और मुंगेली जिला के ग्राम खुड़िया तक विभिन्न विश्राम स्थलों, कांवड़ यात्रा मार्ग एवं मंदिर परिसरों का साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात और ठहरने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

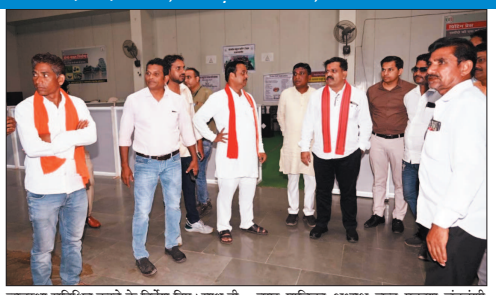

अमरकंटक में कावड़ियों के लिए विश्राम और भोजन के लिए की गई विशेष व्यवस्था

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सावन माह में हजारों कांवड़िए और श्रद्धालु इस मार्ग से यात्रा करते हैं। उनकी सुविधा के लिए विभिन्न पड़ावों पर विश्राम स्थलों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अमरकंटक में कावड़ियों के लिए विश्राम और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि 20-20 लाख रुपए की लागत से खुड़िया और लमनी में प्रतीक्षालय का निर्माण किया गया हैं। उन्होंने इन व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भोरमदेव में कांवड़ियों के लिए तैयार किए जा रहे विश्राम स्थल एवं स्वदेश दर्शन योजना के तहत निर्माणाधीन हॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि हॉल के एक हिस्से की तत्काल साफ-सफाई कर उसे कांवड़ियों के ठहरने योग्य बनाया जाए, ताकि सावन माह में श्रद्धालु इसका उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी हों। निर्माणाधीन कार्यो का निरीक्षण करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित इंजीनियरों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूर्ण होने तक नियमित निगरानी रखें तथा कहीं भी तकनीकी कमी या गड़बड़ी दिखाई देने पर तत्काल सुधार सुनिश्चित करें, ताकि बाद में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को मिले स्वच्छ और सुखद वातावरण

उप मुख्यमंत्री ने कवर्धा स्थित पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में निर्माण हुए डोम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य को बेहतर फिनिशिंग के साथ पूरा करने, डोम में एक अतिरिक्त प्रवेश द्वार बनाने, पर्याप्त पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे कांवड़ियों के ठहरने और आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। ग्राम राजानवागांव में निर्मित डोम का निरीक्षण करते हुए उन्होंने मरम्मत एवं रखरखाव, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पंखे तथा शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर में आकर्षक उद्यान विकसित करने को कहा, ताकि कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुखद वातावरण मिल सके।

श्रद्धालुओं के पहुंचने से पहले सभी व्यवस्थाएं हों पूरी

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि डोंगरिया स्थित जलेश्वर महादेव मंदिर परिसर का विकास किया जा रहा है। मेन रोड से यहां तक पहुंचने के लिए सड़क का निर्माण किया जाएगा तथा खाली जगह में शेड का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने सावन माह के लिए विश्राम स्थल का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के पहुंचने से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं और किसी प्रकार की कमी न रहे।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नंद श्रीवास, जिला पंचायत सदस्य डॉ वीरेन्द्र साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा, मुंगेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खुड़िया में बना प्रतीक्षालय, आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए सावन मास तक रहेगी एंबुलेंस सेवा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से खुड़िया में लगभग 20 लाख रुपये की लागत से कांवड़ यात्रियों के लिए सुरक्षित पड़ाव के रूप में आधुनिक प्रतीक्षालय का निर्माण कराया गया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रतीक्षालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए भवन के सामने समतलीकरण कराने तथा पूरे परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सावन माह के दौरान कांवड़ियों की सुविधा और आपातकालीन चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए पूरे श्रावण मास तक एक एंबुलेंस की विशेष व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं को तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव परिसर में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर पूरे सावन माह के दौरान कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी सोमवार से श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी, इसलिए सभी विभाग समन्वय बनाकर पूर्व तैयारी पूरी करें। उन्होंने मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय, विश्राम भवन, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात नियंत्रण एवं चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कवर्धा से भोरमदेव मार्ग में सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई, जहां सड़क खराब है वहां तत्काल मिट्टी डालकर मार्ग समतल करने तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा से जुड़ी समितियों के अध्यक्षों की बैठक आयोजित कर स्थानीय स्तर पर समन्वय स्थापित करने तथा श्रद्धालुओं की संख्या के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खास खबर

गुरु व्यक्तित्व निर्माण के साथ समाज के उत्थान में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका : लक्ष्मी राजवाड़े

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

10 शिक्षकों, 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और महतारी वंदन योजना की 10 जागरूक माताओं का हुआ सम्मान

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि गुरु केवल विषयों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, संस्कार और जीवन मूल्यों का विकास भी करते हैं। गुरु व्यक्तित्व निर्माण के साथ-साथ समाज के उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह बात सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरा में आयोजित गुरु सम्मान समारोह एवं महिला जागृति शिविर को संबोधित करते हुए कही।

खैरा में गुरु सम्मान समारोह एवं महिला जागृति शिविर आयोजित

: गुरु पूणिर्मा के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्रीमती राजवाड़े ने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें अपने गुरुओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का योगदान राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने महतारी वंदन योजना को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि अनेक माताएं योजना से प्राप्त राशि का उपयोग अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और भविष्य निर्माण में कर रही हैं। उन्होंने इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत बताया।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पित प्रयासों से ही शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंच रहा है। कुपोषण नियंत्रण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा बाल विकास से जुड़े कार्यो में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में ओड़गी क्षेत्र के 10 उत्कृष्ट शिक्षकों को विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा देने और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा महतारी वंदन योजना की राशि का सदुपयोग अपने बच्चों की शिक्षा में करने वाली 10 माताओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान उनके उत्साहवर्धन के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में कुपोषित बच्चों को बाल संदर्भ सेवाओं से लाभान्वित कराने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन में कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अघोर गुरु पीठ बनोरा में किए गुरु दर्शन, बाबा प्रियदर्शी राम से लिया आशीर्वाद

गुरु पूणिर्मा पर कोसमनारा पहुंचे मुख्यमंत्री, सत्यनारायण बाबा धाम में की पूजा-अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गुरु पूणिर्मा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ पहुंचकर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा के दर्शन किए। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए पूजा-अर्चना की तथा पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरु भारतीय संस्कृति के ज्ञान, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना के आधार हैं। गुरु पूणिर्मा का पर्व गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों के सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए सभी को गुरु पूणिर्मा की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने भगवान मनकामेश्वर महादेव से प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम पंडरीपानी स्थित कैलाशपति धाम मनकामेश्वर शिव मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान मनकामेश्वर महादेव के दर्शन कर शिवलिंग पर जल अर्पित किया तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी उपस्थित थे।

श्री सत्यनारायण बाबा धाम लोगों की गहरी आस्था का प्रमुख केंद्र

गुरु पूणिर्मा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ के ग्राम कोसमनारा स्थित प्रसिद्ध श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गुरु पूणिर्मा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु पूणिर्मा गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। गुरुजनों का आशीर्वाद जीवन को सही दिशा देने के साथ आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कोसमनारा स्थित श्री सत्यनारायण बाबा धाम लोगों की गहरी आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा श्रद्धालुओं को आत्मबल और शांति प्रदान करती है। गुरु पूणिर्मा के अवसर पर इस पवित्र धाम में आकर पूजा-अर्चना करना उनके लिए सौभाग्य का अवसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है। सरकार का प्रयास है कि विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े। इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने चांदनी बिहारपुर को दी एम्बुलेंस की सौगात, दिखाई हरी झण्डी

28 ग्राम पंचायतों की 39 हजार से अधिक आबादी को मिलेगा सीधा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होना जीवन रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेषकर गर्भवती महिलाओं, दुर्घटना में घायल व्यक्तियों तथा गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए। नई एम्बुलेंस सेवा चांदनी बिहारपुर और आसपास के गांवों के लिए आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित स्वास्थ्य सहायता सुनिश्चित करेगी।

प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से नई एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। लगभग 18 लाख रुपये की लागत से उपलब्ध कराई गई यह एम्बुलेंस अब क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाएगी। इस पहल से 28 ग्राम पंचायतों में निवासरत 39 हजार 325 से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

अब तक चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्रामीणों को गंभीर बीमारी, दुर्घटना या प्रसव जैसी आपात परिस्थितियों में इलाज के लिए दूरस्थ शहरों पर निर्भर रहना पड़ता था। कई बार समय पर वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नई एम्बुलेंस सेवा शुरू होने से अब मरीजों को त्वरित रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या आवश्यकता पड़ने पर उच्च चिकित्सा संस्थानों तक पहुंचाना संभव हो सकेगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन महिलाओं, बच्चों और आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एम्बुलेंस ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने के साथ-साथ लोगों में स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति विश्वास को भी सुदृढ़ करेगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने इस सुविधा के लिए राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई एम्बुलेंस से क्षेत्र के लोगों को समय पर उपचार मिलने में बड़ी सहायता मिलेगी और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति भरोसा और मजबूत होगा।

क्षेत्रीय पत्रकारिता का बढ़ा मान : एमसीबी के युवा पत्रकार रविकांत दिल्ली में '40 अंडर 40' राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित भव्य समारोह में सौंपा प्रतिष्ठित मोमेंटो

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-मनेंद्रगढ़

देश की राजधानी नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित देश के प्रतिष्ठित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में मंगलवार को मीडिया जगत की तमाम दिग्गज हस्तियों का जमावड़ा लगा। मौका था समाचार 4 मीडिया 40 अंडर 40 राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का। जहाँ देश के युवा और साहसिक पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इसी गरिमामय मंच पर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के होनहार और साहसी पत्रकार रविकांत सिंह राजपूत को मीडिया जगत के इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उन्हें मोमेंटो सौंपकर सम्मानित किया।

यूनिसेफ से भी मिल चुका है सम्मान

रविकांत सिंह राजपूत की पहचान क्षेत्रीय स्तर पर जन सरोकार से जुड़ी खबरों को निडरता से उठाने वाले पत्रकार के रूप में होती है। यह पहला मौका नहीं है जब उनकी पत्रकारिता को सराहना मिली हो, इससे पहले भी उन्हें उत्कृष्ट बाल पत्रकारिता के लिए प्रतिष्ठित यूनिसेफ मीडिया फॉर चिल्ड्रन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

कड़े मानकों पर खरे उतरे रविकांत, जूरी ने सराहा

इस राष्ट्रीय अवॉर्ड के लिए देशभर के प्रिंट, टीवी और डिजिटल मीडिया से सैकड़ों पत्रकारों ने आवेदन किया था। देश के शीर्ष संपादकों और वरिष्ठ मीडिया विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय जूरी ने कड़े मानकों और गहन मूल्यांकन के आधार पर अंतिम 40 युवाओं का चयन किया। रविकांत सिंह राजपूत ने अपनी निष्पक्ष, साहसिक और अटूट समर्पण वाली पत्रकारिता के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपनी जगह बनाई। रविकांत की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्षों और प्रयासों का प्रमाण है, बल्कि दूरस्थ अंचलों की क्षेत्रीय पत्रकारिता को भी राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाती है।

दिग्गज संपादकों का जुटा मेला

पुरस्कार वितरण समारोह से पूर्व एक विशेष मीडिया कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया गया। इसमें देश के जाने-माने वरिष्ठ संपादकों और मीडिया हस्तियों ने वतर्मान मीडिया परिदृश्य, उभरती चुनौतियों और समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में मौजूद सभी दिग्गजों ने क्षेत्रीय पत्रकारिता के महत्व पर जोर देते हुए रविकांत जैसे युवा पत्रकारों के प्रयासों की सराहना की। दूरस्थ अंचलों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाना और जनसरोकार की पत्रकारिता को पहचान दिलाना ही आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202607101000156

विषय:-ब-121
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन्न:- 2025-2026
कोहका प.ह.न. 00045 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार-अनीता देवी,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदिका अनिता देवी-पिता/पति/विभाग-देवनारायण ठाकुर पता सेक्टर ०६ भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 738/8 रकबा 0.010 हे./1500 वर्गफीट भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है। का आवासीय प्रयोजनार्थ पुननिर्धरण आदेश पारित किया गया है, जो वर्तमान में कृषि भूमि दर्ज है। जिसे ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। 2. प्रकरण ब.121 शीर्ष में पंजीबद्ध किया जावे। 3. इश्तहार का प्रकाशन कराई जावे। ४. हल्का पटवारी जांच से प्रतिवेदन लिया जावे।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/07/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. .../अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक - रोहित कुमार यादव आ./ध.प. आ. स्व. लखन लाल निवासी-ग्राम - बासीन पोस्ट करंजा तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम-बासीन प.ह.न. 11 रा.नि.मं. जेवरा-सिरसा व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 338 रकबा 0.38 हे. है। जो भूमिस्वामी मांगन बाई पति स्व. लखन लाल के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी मांगन बाई पति स्व. लखन लाल की मृत्यु दिनांक 20/2/2026 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13/08/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

ईमानदार नहीं होने पर ईमानदार बनाना पड़ता है

आदमी ईमानदार होता है तो उसे ईमानदा बनाने की जरूरत नहीं होती है। आदमी ईमानदार नहीं होता है तो उसे ईमानदार बनाना पड़ता है। आदमी ईमानदार होता है तो घर,समाज व सरकार को किसी तरह की परेशानी नहीं होती है,क्योंकि वह अपना काम ईमानदारी से करता है,ईमानदारी से काम किया जाता है तो काम के परिणाम अच्छा होता है यानी काम के परिणाम से ही पता चल जाता है कि काम करने वाला काम के प्रति कितना ईमानदार है ।इसी तरह जब आदमी ईमानदार नहीं होता है तो वह काम भी ईमानदारी से नहीं करता है। इस वजह से उसके काम का रिजल्ट भी अच्छा नहीं आता है। उसके काम के रिजल्ट से पता चल जाता है कि वह काम ईमानदारी से नहीं कर रहा है। आदमी ईमानदार नहीं है तो उसे घर हो,समाज हो,सरकार हो वह उसे कई तरह से ईमानदार बनाने का प्रयास करते है। घर वाले डांटते हैं,समझाते हैं,समाज वाले भी कई तरह के आयोजन कर समझाते हैं कि ईमानदार होने के क्या फायदे हैं और ईमानदार न होने के क्या नुकसान है।

इसके बाद सरकारी दफ्तर हो या निजी संस्थान वहां भी पहले तो समझाया जाता है ईमानदारी के अपना काम करो ।समय पर दफ्तर आओ,लोग समय पर दफ्तर आते और अपना काम ईमानदारी से करते तो आज भी हर सरकारी दफ्तर व निजी दफ्तर में एक रजिस्टर होता जिसमें लोग समय पर दस्तखत करके और आने का समय डाल देते और मान लिया जाता कि कमर्चारी समय पर आकर अपना काम कर रहा है। समय के साथ लोग दफ्तर आने व काम के प्रति ईमानदार नहीं रहे तो उनको ईमानदार बनाने के प्रयास शुरु हुए। यानी तुम ईमानदार नहीं हो तो हम तुमको ईमानदार बनाएंगे। जब आदमी ईमानदार नहीं रह जाता है और उसे ईमानदार बनाने का प्रयास किया जाता है तो वह विरोध करता है लेकिन वह जितना विरोध करता है और बेईमानी करने का प्रयास करता है तो उसे ईमानदार बनाने के प्रयास और कड़े होते जाते हैं। पहले दस मिनट देरी हो जाती थी तो ध्यान नहीं दिया जाता था तब हाजिरी के लिए दफ्तर में अंगूठा लगाने वाला मशीन लगा दी गई यानी पर जिस वक्त अंगूठा लगाएंगे तो मशीन समय दर्ज करेगी और यह बतायेगी कि आप लेट आए हो या समय पर आए हो ।दफ्तर से गए तो कब गए।

बहुत सारे लोग आज भी काम के प्रति ईमानदार नहीं हैं इसलिए आज भी लोगों को नई नई तकनीक के जरिए ईमानदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। चाहे सरकारी दफ्तर हो या निजी संस्थान आज तो आन लाइन व एप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है। तकनीक के कारण आदमी जितनी बेईमानी पहले कर लेता था आज नहीं कर पा रहा है तो तकनीक का ही विरोध करता है और तकनीक से बचने के लिए वह कई तरह के बहाने बनाता है। राशन दुकान वाले तकनीक के कारण पहले की तरह धांधली नहीं कर पाते हैं तो तकनीक के विरोध के कई बहाने बनाते है। दफ्तर में काम करने वाले तकनीक के कारण पहले की तरह घूस नहीं ले पाते हैं तो वह लोगों को समय पर खुद काम नहीं करते हैं और उसका दोष तकनीक पर डालते हैं ताकि लोग सरकार से शिकायत करें कि तकनीक के कारण उनका काम जल्दी नहीं होता है ।शिक्षा विभाग में भी शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं आने, रोज स्कूल नहीं आने, अपनी जगह किसी दूसरे को पढ़ाने भेजने आदि कई तरह की बेईमानी को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है कि वह एक एप के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

जैसे बाकी लोग तकनीक के कारण बेईमानी नहीं कर पाते हैं वैसे ही वे शिक्षक जो अपना काम ठीक से नहीं कर रहे हैं,स्कूल समय पर नहीं आते है, कई दिन स्कूल नहीं आते हैं लेकिन वेतन सभी दिनों को लेते हैं। ऐसे शिक्षकों सुधारने के लिए,ईमानदार बनाने के लिए शिक्षा विभाग में व्यवस्था बनाई गई है कि अब सभी शिक्षकों को एप के माध्यम से उपस्थित दर्ज करानी है,यह शिक्षको को उनके संगठन को पसंद नहीं आ रहा है और उन्होंने कई बहानों से इसका विरोध शुरू कर दिया है क्योंकि तकनीक के जरिए तो उनको उतने ही दिन का वेतन मिलेगा जितने दिन उन्होंने एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराई है। शिक्षकों की आदत हो गई है कि वह काम करें या करे उनको पूरे तीस दिन का वेतन मिलना चाहिए ।अब तकनीक के कारण उनको उतने ही दिन का वेतन मिलेगा जितने दिन स्कूल जाएंगे,काम करेंगे तो उनको बुरा लग रहा है।

यह सच है कि नेटवर्क व एप की अपनी समस्या हो सकती है लेकिन इनका उपयोग वास्तव शिक्षकों को परेशान करने के लिए नहीं किया जा रहा है, इनका उपयोग इसलिए करना पड़ रहा है कि शिक्षकों के काम करने को जो समय है,वह समय पर स्कूल आए और अपना काम करें ।यह नहीं होता है खास कर दूरस्थ इलाकों में कई कई दिन शिक्षक स्कूल नही जाते है और किसी को पता नहीं रहता है कि शिक्षक क्यों स्कूल नहीं आ रहा है ।किसी जगह नेटवर्क की समस्या है, एप की समस्या है तो वहां पर वैकल्पिक तकनीक का उपयोग किया जा सकता है और शिक्षक हो या कोई कमर्चारी उसको ईमानदार बनाने का काम किया जा सकता है। जैसे कहीं पर मोबाइल से हाजिरी लगाने में कोई दिक्कत है तो वहां पर बायोमेट्रिक मशीन का विकल्प दिया जा सकता है ।शिक्षकों सहित हर शासकीय कमर्चारियों को समझना होगा कि उनको तकनीक के जरिए काम के प्रति ईमानदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है तो इसका मतलब है कि वह काम के प्रति जितने ईमानदार होने चाहिए उतने ईमानदार नहीं है ।मशीनीकरण बढ़ रहा है तो इसकी एक वजह यही है कि आदमी को काम के प्रति जितना ईमानदार होना चाहिए वह समय के साथ उतना ईमानदार नहीं रह गया है।

भीड़, राजनीति और सत्य का प्रश्न : आंदोलन, समझौता और जवाबदेही के बीच लोकतंत्र की परीक्षा

लोकतंत्र, विरोध और हिंसा के बीच संतुलन

आचार्य डॉ. अजय आर्य

लोकतंत्र में असहमति का सम्मान आवश्यक है, किंतु असहमति को अराजकता का अधिकार नहीं दिया जा सकता। लोकतंत्र केवल चुनावों से जीवित नहीं रहता। वह प्रश्नों से मजबूत होता है, संवाद से परिपक्व बनता है और जवाबदेही से विश्वसनीयता प्राप्त करता है। सरकार से प्रश्न पूछना लोकतंत्र की शक्ति है और जनभावनाओं को शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार। किंतु जब विरोध संवाद की मर्यादा से निकलकर भीड़ के दबाव, भावनात्मक उन्माद और अधूरी सूचनाओं के हथियार में बदलने लगे, जब कुछ चुने हुए दृश्यों के आधार पर पूरा जनमत गढ़ा जाने लगे और जब शोर सत्य से अधिक प्रभावशाली दिखाई देने लगे, तब लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान सभा में लोकतांत्रिक जीवन की सफलता के लिए संवैधानिक तरीकों को अपनाने पर विशेष बल दिया था। उनका मूल संदेश यही था कि लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग संविधान, संवाद और संस्थाओं से होकर गुजरना चाहिए। जब जनभावना संवैधानिक मर्यादा से जुड़ती है, तब वह राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनती है, किंतु जब वह कानून और संस्थाओं को चुनौती देने लगे, तब लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। आज देश में आंदोलनों, छात्र प्रदशनों और राजनीतिक विरोधों को लेकर अनेक प्रकार की बहसें चल रही हैं। एक ओर सरकार की नीतियों, प्रशासनिक निणर्यो और संवेदनशीलता पर प्रश्न उठाए जा रहे हैं, तो दूसरी ओर यह आशंका भी सामने आ रही है कि कहीं वास्तविक जनआक्रोश को सुनियोजित राजनीतिक अवसर में तो नहीं बदला जा रहा।

इस पूरी परिस्थिति में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या सरकार की कुछ नीतिगत चूक, संवादहीनता अथवा जनभावनाओं को समय रहते समझने में हुई कमी ने विपक्ष को एक मंच पर आने का अप्रत्यक्ष अवसर दिया है? यदि ऐसा है, तो यह सरकार के लिए आत्ममंथन का विषय है। लोकतांत्रिक शासन की शक्ति केवल निर्णय लेने में नहीं, बल्कि समय रहते संवाद स्थापित करने और असंतोष को विश्वास में बदलने में भी होती है। महात्मा गांधी ने सत्याग्रह को केवल विरोध का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, नैतिक अनुशासन और सत्य के प्रति निष्ठा का मार्ग माना। उनके लिए आंदोलन का उद्देश्य विरोधी को पराजित करना नहीं, बल्कि सत्य के माध्यम से उसके विवेक को जगाना था। इसलिए यदि कोई आंदोलन हिंसा, अपमान और अराजकता की ओर बढ़ता है, तो वह गांधीवादी सत्याग्रह की मूल भावना से दूर हो जाता है।

लेकिन उतना ही आवश्यक प्रश्न विपक्ष और आंदोलन के नेतृत्व से भी है। क्या प्रत्येक जनभावना को राजनीतिक हथियार में बदल देना उचित है? क्या छात्रों की पीड़ा, युवाओं की चिंता और अभिभावकों की बेचैनी को राजनीतिक प्रयोगशाला का विषय बनाया जाना स्वीकार्य है? सरकार की आलोचना लोकतंत्र का आवश्यक अंग है, किंतु लोकतंत्र को भीड़ के शोर और भावनात्मक उन्माद से नियंत्रित करने का प्रयास लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर कर सकता है। विरोध लोकतंत्र की आवाज है, लेकिन विवेकहीन भीड़ लोकतंत्र की परीक्षा बन जाती है।

केस वापसी बनाम कठोर कार्रवाई

आंदोलनों के बाद कई बार संवाद, समझौते और तनाव कम करने की प्रक्रिया के अंतर्गत दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग सामने आती है। यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों अथवा सामान्य नागरिकों पर परिस्थितिवश ऐसे प्रकरण दर्ज हुए हों, जिनमें उनकी आपराधिक मंशा स्पष्ट न हो, तो मानवीय और न्यायपूर्ण दृष्टि से उनकी समीक्षा की जा सकती है। लेकिन यह दृष्टिकोण एकतरफा नहीं होना चाहिए।

यदि किसी स्तर पर मामलों की समीक्षा अथवा वापसी पर सहमति बनती है, तो उसके साथ यह भी आवश्यक है कि उन लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो, जिन्होंने जानबूझकर भीड़ को भड़काया, हिंसा और उपद्रव को बढ़ावा दिया अथवा आंदोलन की आड़ में राजनीतिक अथवा व्यक्तिगत उद्देश्य साधने का प्रयास किया। यदि जांच में यह तथ्य सामने आए कि कुछ लोग छात्र नहीं थे, उनकी संगठित राजनीतिक पृष्ठभूमि थी अथवा उन्होंने योजनाबद्ध ढंग से उकसावे की भूमिका निभाई, तो उनके विरुद्ध कानून के अनुसार निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। लोकतंत्र में राहत और जवाबदेही दोनों साथ चल सकते हैं। एक के नाम पर दूसरे को समाप्त नहीं किया जा सकता। निर्दोष को न्याय मिलना चाहिए, लेकिन दोषी को केवल भीड़ की सहानुभूति के आधार पर दंड से मुक्त नहीं किया जा सकता।

महात्मा गांधी का जीवन यह भी सिखाता है कि आंदोलन की नैतिक शक्ति उसके अनुशासन से बनती है। चौरी चौरा की हिंसक घटना के बाद उन्होंने असहयोग आंदोलन को स्थगित कर दिया था। यह निर्णय इस बात का उदाहरण है कि जनसमर्थन कितना ही व्यापक क्यों न हो, हिंसा और अनुशासनहीनता को आंदोलन की सफलता का आधार नहीं बनाया जा सकता। क्षमा वहां सार्थक है जहां पश्चाताप हो, किंतु कानून वहां आवश्यक है जहां सुनियोजित हिंसा हो।

इतिहास में अनेक जनआंदोलन ऐसे रहे हैं जिन्होंने समाज को नई दिशा दी। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी आंदोलन में असामाजिक तत्व प्रवेश कर जाते हैं, तो उसका मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है और आंदोलन की नैतिक शक्ति कमजोर हो जाती है। इसलिए किसी भी जनआंदोलन की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आंदोलन के नेतृत्व और सहभागी नागरिकों की भी जिम्मेदारी है।

क्या सत्य को भीड़ और वीडियो क्लिप्स में कैद किया जा रहा है?

डिजिटल युग में एक छोटा सा वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है और कभी-कभी जनमत भी बना सकता है। यही तकनीक की शक्ति है और यही उसका संभावित खतरा भी। कोई भी वीडियो अपने आप में सदैव पूरा सत्य नहीं होता। घटना से पहले क्या हुआ, उसके बाद क्या हुआ, उस समय परिस्थितियां क्या थीं और विभिन्न पक्षों का व्यवहार कैसा था, इन सभी बातों को समझे बिना किसी एक दृश्य के आधार पर अंतिम निर्णय तक पहुंच जाना उचित नहीं है। आज कई बार तथ्य से पहले वायरल भावना पहुंच जाती है। वीडियो को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि दर्शक तत्काल भावनात्मक निष्कर्ष पर पहुंच जाए और फिर वही निष्कर्ष धीरे-धीरे सामूहिक सत्य का रूप ले ले।

जॉर्ज ऑरवेल के प्रसिद्ध उपन्यास 1984 में सूचना, भाषा और जनधारणा को नियंत्रित करने की प्रवृत्ति का अत्यंत प्रभावशाली चित्रण मिलता है। उस रचना का व्यापक संदेश यह है कि जब सूचना को चुनिंदा ढंग से प्रस्तुत किया जाता है, तो समाज की सत्य को समझने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। आज के डिजिटल युग में यह चेतावनी और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती है। यदि किसी छात्र के साथ बल प्रयोग का दृश्य सामने आता है, तो उसकी पूरी पृष्ठभूमि, घटनाक्रम और प्रशासनिक परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच भी आवश्यक है। इसी प्रकार यदि यह आरोप सामने आता है कि प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति ने पुलिसकमिर्यो पर पेपर स्प्रे अथवा किसी अन्य पदार्थ का प्रयोग किया, तो उस तथ्य की भी पारदर्शी जांच होनी चाहिए।

साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि पुलिस की प्रतिक्रिया परिस्थितियों और कानून के अनुरूप थी या नहीं। केवल एक फ्रेम देखकर किसी को पूर्णतः दोषी या निदोष घोषित करना न्याय नहीं, बल्कि अधूरी जानकारी पर आधारित निर्णय हो सकता है। कैमरा दृश्य दिखाता है, किंतु सत्य तक पहुंचने के लिए संदर्भ भी देखना पड़ता है। सत्य वह नहीं जो केवल भावनाओं को भड़का दे। सत्य वह है जो तथ्यों, प्रमाणों और सभी पक्षों की कसौटी पर खरा उतरे।

छात्र अपराधी नहीं है किंतु उनकी आड़ में अपराध नहीं किया जा सकते

यह स्पष्ट रूप से स्वीकार करना होगा कि छात्र देश की वतर्मान ऊर्जा और भविष्य की आशा हैं। परीक्षा, भर्ती अथवा किसी प्रशासनिक व्यवस्था में अनियमितता की आशंका होने पर उनकी चिंता, आक्रोश और बेचैनी स्वाभाविक है। यदि पेपर लीक, भ्रष्टाचार अथवा प्रशासनिक विफलता हुई है, तो छात्रों का शांतिपूर्ण विरोध केवल उनका अधिकार ही नहीं, बल्कि व्यवस्था को सुधारने का एक आवश्यक माध्यम भी हो सकता है। स्वामी विवेकानंद युवाओं को केवल शक्ति का स्रोत नहीं, बल्कि चरित्र और विवेक से युक्त राष्ट्रनिर्माता मानते थे। उनका संदेश था कि शक्ति तभी सार्थक है जब वह उद्देश्य, आत्मविश्वास और नैतिकता से जुड़ी हो। इसलिए युवा ऊर्जा को दबाने के बजाय सही दिशा देना समाज और शासन दोनों का दायित्व है।

छात्रों को अपराधी अथवा शत्रु की दृष्टि से देखना लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की कमी होगी। वे आतंकवादी नहीं हैं। उनके साथ संवाद, संवेदना और समाधान का व्यवहार होना चाहिए। लेकिन संवेदना का अर्थ कानून से ऊपर होना भी नहीं है। यदि कोई व्यक्ति, चाहे वह छात्र हो या कोई अन्य, हिंसा करता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है अथवा किसी की सुरक्षा को खतरे में डालता है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है।

छात्र आंदोलन अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवाज उठाता है। भीड़तंत्र दबाव के माध्यम से कानून और संस्थाओं को नियंत्रित करने का प्रयास करता है। लोकतंत्र में आवाज उठाना अधिकार है, किंतु कानून को कुचलकर अपनी बात मनवाना अधिकार नहीं, अराजकता है। युवा शक्ति जब विवेक से जुड़ती है तो परिवर्तन लाती है, लेकिन जब उकसावे से जुड़ती है तो स्वयं अपने उद्देश्य को कमजोर कर देती है।

क्या विरोध का भूगोल भी राजनीति तय कर रहा है?

एक गंभीर प्रश्न यह भी है कि बड़े आंदोलन कई बार कुछ विशेष राज्यों अथवा क्षेत्रों में ही अधिक सक्रिय क्यों दिखाई देते हैं। यदि कोई मुद्दा वास्तव में राष्ट्रीय है, तो उसका विरोध भौगोलिक रूप से सीमित क्यों दिखाई देता है? यदि प्रदर्शन उन क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हों जहां राजनीतिक सत्ता का समीकरण अलग हो, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आंदोलन पूरी तरह जनहित आधारित है अथवा उसमें राजनीतिक रणनीति भी शामिल है। यह प्रश्न किसी आंदोलन को खारिज करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी पारदर्शिता को समझने के लिए है।

हाल के आंदोलनों में विपक्ष की एकजुटता और राजनीतिक सक्रियता पहले की तुलना में अधिक संगठित दिखाई देती है। कुछ घटनाओं के बाद, विशेषकर जब सरकार ने किसी स्तर पर त्वरित समाधान अथवा राजनीतिक निर्णय की पहल की, तब विपक्ष के स्वर अधिक आक्रामक और संगठित दिखाई दिए। इससे यह धारणा भी बनी कि टकराव को कम करने के उद्देश्य से अपनाई गई कुछ सरकारी रणनीतियों ने अनजाने में विपक्ष को अधिक सक्रिय राजनीतिक मंच उपलब्ध करा दिया।

कई स्थानों पर यह भी देखने को मिला कि छात्र समूहों के बीच राजनीतिक नेतृत्व को स्थापित करने का प्रयास हुआ और संसद से लेकर सड़क तक अनेक राजनीतिक प्रतिनिधि उसी स्वर को आगे बढ़ाते दिखाई दिए, जो आंदोलन के मंचों से उभर रहा था। लोकतंत्र में आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, संसाधन और राजनीतिक संबंधों पर प्रश्न उठना उतना ही आवश्यक है, जितना सरकार से प्रश्न पूछना। लोकतंत्र में प्रश्न केवल सत्ता से नहीं, आंदोलन के नेतृत्व से भी पूछे जाते हैं। कोई भी पक्ष प्रश्नों से ऊपर नहीं हो सकता।

पुलिसकर्मी के भी मानवाधिकार हैं, उन्हें नजर अंदाज नहीं करना चाहिए

जब किसी प्रदर्शन में पुलिस बल प्रयोग करती है, तो मानवाधिकारों की चर्चा स्वाभाविक है और होनी भी चाहिए। यदि कहीं अनावश्यक अथवा अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई भी की जानी चाहिए। लेकिन क्या मानवाधिकार केवल प्रदर्शनकारियों के लिए हैं? पुलिसकर्मी भी नागरिक हैं। उनके भी परिवार हैं। वे भी लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी करते हैं। वे भी भीड़, पथराव, अपशब्दों और कभी-कभी हिंसक हमलों का सामना करते हैं।

यदि उन पर हमला होता है अथवा पेपर स्प्रे जैसे माध्यमों का प्रयोग किया जाता है, तो उनकी सुरक्षा और अधिकारों पर भी उतनी ही गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए। मानवाधिकार एकतरफा अवधारणा नहीं हो सकते। यदि प्रदर्शनकारी की गरिमा और सुरक्षा महत्वपूर्ण है, तो पुलिसकर्मी की सुरक्षा और सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र संतुलन से चलता है, एकतरफा सहानुभूति से नहीं। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने न्याय और अहिंसक प्रतिरोध को सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाया। उनका संघर्ष यह बताता है कि दृढ़ विरोध और अनुशासन एक साथ चल सकते हैं। न्याय की मांग जितनी प्रखर हो, उसका माध्यम उतना ही संयमित और नैतिक होना चाहिए। वर्दी के भीतर भी एक मनुष्य होता है और अधिकारों की रक्षा करने वाले के अधिकार भी सुरक्षित होने चाहिए। पुलिस से संयम, संवेदनशीलता और कानून के पालन की अपेक्षा की जानी चाहिए। उसी प्रकार प्रदर्शनकारियों से भी शांति, अनुशासन और कानून के प्रति सम्मान की अपेक्षा की जानी चाहिए।

NEET पेपर लीक : असली सवाल और असली जिम्मेदारी

पेपर लीक जैसी घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता नहीं हैं। वे लाखों विद्यार्थियों के परिश्रम, विश्वास और भविष्य पर सीधा आघात हैं। एक विद्यार्थी वर्षों तक तैयारी करता है। परिवार अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार संसाधन जुटाता है। अनेक छात्र अपने सपनों को साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा की गोपनीयता भंग हो जाए, तो केवल एक प्रश्नपत्र नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि प्रश्नपत्र किसने लीक किया, कैसे किया, किसके लिए किया और किसने उससे लाभ प्राप्त किया। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पेपर लीक की घटनाएं किसी एक राज्य अथवा किसी एक राजनीतिक दल की सरकार तक सीमित नहीं रही हैं। विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे आरोप, जांच और कार्रवाई सामने आती रही हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय नहीं, बल्कि परीक्षा प्रणाली और प्रशासनिक संरचना से जुड़ी व्यापक चुनौती है। यदि जांच में किसी कर्मचारी, बिचौलिए, संस्थान, संगठित नेटवर्क अथवा किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका प्रमाणित होती है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोप के आधार पर नहीं, प्रमाण के आधार पर। सरकार की जिम्मेदारी केवल दोषियों को पकड़ना नहीं, बल्कि ऐसी पारदर्शी और सुरक्षित व्यवस्था विकसित करना भी है जिसमें भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की संभावना न्यूनतम हो। यदि सुरक्षा में चूक हुई है, तो जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। कुछ लोगों की गलती कहकर पूरी व्यवस्था अपनी जवाबदेही से मुक्त नहीं हो सकती। परीक्षा में प्रश्नपत्र का लीक होना केवल सुरक्षा की चूक नहीं, ईमानदार परिश्रम के साथ अन्याय है।

कोचिंग उद्योग पर मौन क्यों?

आज शिक्षा व्यवस्था में कोचिंग उद्योग की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली हो चुकी है। अनेक कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन देकर सकारात्मक योगदान कर रहे हैं। लेकिन यदि किसी मामले में किसी संस्था, बिचौलिए अथवा संगठित नेटवर्क की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच से बचना भी गंभीर प्रश्न पैदा करता है। यह भी विचारणीय है कि मीडिया कुछ विषयों पर तीव्र बहस करता है, जबकि कुछ संभावित प्रभावशाली हितों से जुड़े विषयों पर अपेक्षाकृत कम प्रश्न उठाता है। क्या आर्थिक हित, विज्ञापन अथवा संस्थागत प्रभाव इसके पीछे कारण हो सकते हैं? यदि ऐसा है, तो यह केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि मीडिया की स्वतंत्रता और सामाजिक जवाबदेही का भी प्रश्न है।

मीडिया का दायित्व केवल शोर को बढ़ाना नहीं, बल्कि तथ्यों को परखना और सत्य को सामने लाना है, चाहे वह किसी भी पक्ष के विरुद्ध क्यों न जाता हो। जॉर्ज ऑरवेल की रचना Animal Farm सत्ता, भाषा और नैतिकता के बदलते अर्थो पर गंभीर प्रश्न उठाती है। उसका एक व्यापक संदेश यह है कि जब सिद्धांतों का प्रयोग केवल सुविधा और सत्ता के अनुसार होने लगे, तो समानता और न्याय की मूल भावना कमजोर हो सकती है। इसी संदर्भ में यह भी देखा जाता है कि कुछ मुद्दों पर बड़े प्रदर्शन और नैतिकता की तीव्र चर्चा दिखाई देती है, लेकिन अपने राजनीतिक पक्ष से जुड़ी समान घटनाओं पर मौन का वातावरण बन जाता है। यह चयनात्मक नैतिकता लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करती है और सत्य की निष्पक्ष खोज को प्रभावित करती है। मीडिया का धर्म केवल खबर दिखाना नहीं, खबर के पीछे छिपे प्रश्नों को भी सामने लाना है।

इस्तीफे की राजनीति या वास्तविक जवाबदेही?

किसी मंत्री के इस्तीफे की मांग लोकतंत्र में असामान्य नहीं है। लेकिन यह मांग तथ्यों, जांच और वास्तविक जिम्मेदारी के आधार पर होनी चाहिए, केवल राजनीतिक दबाव अथवा जनभावना की लहर पर नहीं। यदि किसी मंत्री की प्रत्यक्ष लापरवाही, गंभीर प्रशासनिक विफलता अथवा जिम्मेदारी सिद्ध होती है, तो जवाबदेही तय होनी चाहिए। लेकिन यदि सरकार ने दोषियों की पहचान की है, जांच प्रारंभ की है और सुधारात्मक कदम उठाए हैं, तो पूरे मामले का निष्पक्ष मूल्यांकन भी आवश्यक है। जवाबदेरी का अर्थ केवल पद छोड़ना नहीं है। जवाबदेही का अर्थ है कि सत्य सामने आए, दोषियों को दंड मिले, पीड़ितों को न्याय मिले और व्यवस्था में स्थायी सुधार हो।

डॉ. आंबेडकर ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थाओं की मजबूती और संवैधानिक नैतिकता को अत्यंत महत्वपूर्ण माना। किसी व्यक्ति का पद छोड़ना तत्काल राजनीतिक समाधान हो सकता है, किंतु संस्थागत सुधार ही भविष्य की समस्याओं को रोकने का स्थायी उपाय बनता है। इस्तीफा कभी उत्तरदायित्व का प्रतीक हो सकता है, लेकिन व्यवस्था सुधारना ही जवाबदेही की वास्तविक परीक्षा है।

लोकतंत्र को भीड़ नहीं, विवेक चाहिए

आज की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लगभग हर मुद्दे को तुरंत राजनीतिक खांचे में रख दिया जाता है। न तो सरकार हर विषय पर पूरी तरह सही हो सकती है और न विपक्ष हर विषय पर पूरी तरह गलत। न हर आंदोलन पूरी तरह निष्कलंक होता है और न हर विरोध स्वार्थ से प्रेरित होता है। बिल्कुल लोकतंत्र पर हावी होने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

सत्य प्रायः इन दोनों के बीच होता है और उसे खोजने के लिए शोर नहीं, धैर्य चाहिए। यदि सरकार से प्रश्न हैं, तो पूछे जाने चाहिए। यदि विपक्ष से प्रश्न हैं, तो वे भी पूछे जाने चाहिए। यदि पुलिस की कार्रवाई पर संदेह है, तो निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि प्रदर्शनकारियों ने हिंसा की है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। और यदि छात्रों के साथ अन्याय हुआ है, तो उन्हें न्याय मिलना ही चाहिए। लोकतंत्र किसी एक दल की संपत्ति नहीं है। यह पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। भीड़ का शोर क्षणिक होता है, लेकिन सत्य की खोज लंबी और कठिन होती है।

लोकतंत्र को न अंधसमर्थन चाहिए, न अंधविरोध। उसे जागरूक, विवेकशील और जिम्मेदार नागरिक चाहिए। स्वामी विवेकानंद का संदेश था कि विचारों की शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह मनुष्य को निर्भीक, चरित्रवान और जिम्मेदार बनाए। लोकतंत्र को भी ऐसे ही नागरिकों की आवश्यकता है, जो किसी राजनीतिक नारे के पीछे आंख बंद करके न चलें, बल्कि तथ्य, तर्क और राष्ट्रहित के आधार पर अपना मत बनाएं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं, बल्कि सत्य को स्वीकार करने का साहस है।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि कौन किसके साथ है। प्रश्न यह है कि कौन सत्य, न्याय और लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ है। भीड़ निर्णय नहीं देती, कानून देता है। भावनाएं सत्य नहीं बनातीं, प्रमाण सत्य तक पहुंचने का मार्ग बनाते हैं। विरोध लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विवेक लोकतंत्र की दिशा है। और लोकतंत्र किसी दल का नहीं, पूरे राष्ट्र का दायित्व है।

(लेखक एक गैर राजनीतिक विचारक एवं समाजसेवी हैं।)

पुस्तक-समीक्षा : शब्दों का सामर्थ्य और विचारों की धरोहर है 'संजय उवाच'

समीक्षक : डॉ. प्रदीप डहेरिया

पुस्तक: संजय उवाच (प्रो.संजय द्विवेदी के व्याख्यान)
प्रकाशक: शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, शाहदरा, दिल्ली

कोई भी व्याख्यान समय की रेत पर मिट जाने वाली आवाज हो सकते हैं, लेकिन जब वे लिपिबद्ध होकर पुस्तक का आकार लेते हैं, तो वे इतिहास के अमर दस्तावेज बन जाते हैं। किसी भी समाज, राष्ट्र या संगठन को सही दिशा देने में उसके नेतृत्वकर्ता के विचारों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। जब उन सशक्त विचारों को केवल सुना ही नहीं, बल्कि 'भाषण संग्रह' के रूप में सहेजकर एक पुस्तक का रूप दे दिया जाता है, तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शिका बन जाती है। हाल ही में प्रकाशित 'संजय उवाच' नामक यह पुस्तक, जो विशिष्ट, चुनिंदा एवं प्रभावी भाषणों का संकलन है। वह वैचारिक जगत में एक अनमोल उपहार की तरह ही है। पुस्तक वरिष्ठ पत्रकार, संपादक, चिंतक और मीडिया अध्यापन की दुनिया में चर्चित व्यक्तित्व प्रोफेसर संजय द्विवेदी कृत है।

प्रो. संजय द्विवेदी मूलतः प्रिंट माध्यमों के विशेषज्ञ हैं। अपने अधिकांश मीडिया जीवन में उन्होंने मुद्रित माध्यमों में महत्वपूर्ण और सघन लेखन किया है। उनकी इस शब्द साधना का ही प्रताप है कि वे प्राकृतिक तौर पर धाराप्रवाह तमाम विषयों पर बोलते हैं। संजय जी का टेलीविजन और डिजिटल मीडिया में भी बहुत लंबा अनुभव रहा है। वे कई राष्ट्रीय चैनलों का प्रमुख चेहरा रहे हैं। इसके अलावा शैक्षणिक जीवन का भी विस्तृत और नेतृत्वकारी अनुभव उनके वक्तव्यों में प्रस्तुत होता है। उनकी इस संचित शब्द निधि से संपन्न यह पुस्तक एक अद्वितीय कृति बन जाती है। डा. संजय की जी लेखन यात्रा में कई पुस्तकें शामिल हैं। लेकिन ह्यसंजय उवाचह्ण इस मामले में अलग है कि उनके व्याख्यानों का सार इस पुस्तक में पढ़ने को मिलता है। यह उनके लिए एक उपहार है जिन लोगों ने संजय जी की मंत्रमुग्ध कर देने वाली संवाद शैली का स्वाद नहीं चखा है। उनकी बातचीत का साक्षात करने वाले अनायास ही देश, समाज, राजनीति, युवा और मीडिया आदि विषयों पर ऐसी बातें, सूचनाएं और संस्मरण पा जाते हैं जो कहीं और नहीं मिलते। और एक बात यह भी कि संजय जी जिस तरह आत्मसात करने वाली शैली में संवाद करते हैं, वह श्रोताओं को आनंदित करती है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व दोनों ही चुंबकीय शक्तियों से लबरेज हैं।

'संजय उवाच, केवल कागज पर छपे हुए शब्द नहीं हैं, बल्कि यह उस गहरे अनुभव, संवेदनशीलता और दूरदर्शिता का जीवंत प्रमाण है जो डा. संजय द्विवेदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में अर्जित किये हैं। किसी भी प्रकार के व्याख्यान की सबसे बड़ी खूबी उसका सीधा दिल तक पहुँचना होता है। इस पुस्तक में संकलित व्याख्यानों की भाषा इतनी सरल, सहज और सजीव है कि पाठक को पढ़ते समय ऐसा महसूस होता है मानो वह स्वयं सामने बैठकर वक्ता को सुन रहा हो। शब्दों का चयन और वाक्यों का प्रवाह हर वर्ग के पाठक को बांधे रखता है। इस दृष्टि से 'संजय उवाच' पुस्तक बिल्कुल फिट है। इस पुस्तक कि सबसे बड़ी ताकत इसकी विषय-वस्तु है। इसमें केवल एक ढर्रे पर बात नहीं की गई है, बल्कि सामाजिक सरोकार, राष्ट्र निर्माण, युवा प्रेरणा, संस्कृति, और वैश्विक चुनौतियों जैसे गंभीर विषयों पर बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी विचार प्रस्तुत किए गए हैं। प्रत्येक व्याख्यान पाठक को सोचने पर मजबूर करता है और एक नई दृष्टि देता है। आज के दौर में जहाँ चारों ओर सूचनाओं का अंबार है, वहाँ यह पुस्तक वैचारिक स्पष्टता लाती है। निराश मन में उत्साह फूंकना और युवाओं को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना इस पुस्तक का मूल स्वर है। संजय जी देश के नामी-गिरामी संवाद कार्यक्रमों में शिरकत करते रहते हैं। उनकी वाक कला के लोग कायल हैं। उनकी इस पुस्तक का हर शब्द पाठकों से सजीव संवाद करता लगता है। यह अवश्य पठनीय पुस्तक है ।इसके पन्नों को पलटते हुए पाठक के भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार निश्चित ही होगा।

प्रो. संजय द्विवेदी सरल और सहज व्यक्तित्व के स्वामी हैं। उनका अध्ययन और विषयों पर पकड़ आश्चर्यजनक है। वे पिछले लगभग तीन दशकों से निरंतर लेखन करते रहे हैं। उनके खाते में कई शानदार पुस्तकों का रिकार्ड दर्ज है। इसी तरह उनके संवाद कार्यक्रम भी देश के कोने-कोने में होते रहते हैं। ह्यसंजय उवाचह्ण को पढ़ने के बाद उनके आगामी संवाद में श्रोताओं की तादाद और बढ़ने वाली है। इस पुस्तक को पढ़ने के बाद हर पाठक निश्चित तौर पर उनके भाषणों को सजीव सुनने के लिए उत्सुक होने वाला है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'संजय उवाच' पुस्तक शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और जनसंचार के छात्रों के लिए एक बेहतरीन संदर्भ ग्रंथ एवं व्यावहारिक गाइड साबित होगी। मैं प्रो. संजय द्विवेदी को इस पुस्तक प्रकाशन के लिए तहेदिल से बधाई देता हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि वे आगे भी अपने लेख एवं भाषणों के माध्यम से समाज को दिशा देते रहेंगे।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक हैं।)

महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनेगा महतारी सदन : लक्ष्मी राजवाड़े

थाड़पाथर में 24.70 लाख रुपये की लागत से बने सर्वसुविधायुक्त महतारी सदन का लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत थाड़पाथर में नवनिर्मित महतारी सदन का लोकार्पण किया। लगभग 24 लाख 70 हजार रुपये की लागत से निर्मित यह भवन ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और कौशल विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। महतारी सदन में विशाल हॉल, स्टोर, किचन, कार्यालय कक्ष तथा दुकान संचालन के लिए अलग स्थान उपलब्ध कराया गया है। भवन के पीछे सामुदायिक शौचालय का निर्माण भी किया गया है, जिससे यह परिसर महिलाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप सर्वसुविधायुक्त बनाया गया है।

लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि महतारी सदन योजना छत्तीसगढ़ को महिला केन्द्रित विकास का मॉडल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि माताओं और बहनों के सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "महतारी सदन केवल महिलाओं की तरक्की का आधार नहीं बनेगा, बल्कि पूरे प्रदेश की प्रगति का आधार बनेगा। यह महिलाओं की शक्ति, सम्मान और आत्मविश्वास को नई पहचान देगा तथा शिक्षा, कौशल और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराएगा।"

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य महतारी सदनों को महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों से जोड़कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इन केंद्रों में महिलाओं के लिए सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, हस्तशिल्प, कृषि-आधारित प्रशिक्षण, खाद्य प्रसंस्करण तथा डिजिटल साक्षरता जैसे कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार और उद्यमिता से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से जागरूक बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। महतारी सदन जैसी पहलें ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को बैठक, प्रशिक्षण, उत्पादन, विपणन और सामुदायिक नेतृत्व के लिए एक स्थायी मंच प्रदान करेंगी।

स्थानीय महिलाओं ने महतारी सदन के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें समूह बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आयवर्धन गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा, जिससे गांव में महिलाओं की सहभागिता और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिलेगी।

खास खबर

भिलाई टाउनशिप को 'लैंड मोनेटाइजेशन' से मुक्त रखने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नीति आयोग के उपाध्यक्ष को 500 पूर्व-वर्तमान कर्मियों ने सौंपा आवेदन

भिलाई इस्पात संयंत्र की ऐतिहासिक टाउनशिप को केंद्र सरकार की 'लैंड मोनेटाइजेशन' नीति के दायरे में लाए जाने के प्रस्ताव पर लगभग 500 पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों ने कड़ा विरोध जताया है। कर्मियों ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी को आवेदन भेजकर टाउनशिप को इस नीति से बाहर रखने और जनहित में संशोधन की मांग की है।

"बसा-बसाया शहर हो जाएगा तबाह"

आवेदन में कहा गया है कि भिलाई टाउनशिप केवल आवासीय क्षेत्र नहीं, बल्कि दशकों से बसा एक सुव्यवस्थित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर है। यदि यहां के आवासों, अस्पतालों, स्कूलों और मैत्री बाग जैसी सामाजिक संपत्तियों का मौद्रिकरण कर निजी हाथों में बेचा गया, तो पूरा शहर उजड़ जाएगा। कर्मियों ने चेतावनी दी कि इससे भौगोलिक और राजनीतिक रूप से एक पूरी विधानसभा क्षेत्र का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा।

वैकल्पिक भूमि उपलब्ध, टाउनशिप को छोड़ा जाए

कर्मियों ने तर्क दिया कि बीएसपी के पास टाउनशिप और प्लांट विस्तार के अलावा बड़ी मात्रा में गैर-आबादी भूमि पहले से मौजूद है। यदि मौद्रिकरण करना आवश्यक है तो उन्हीं खाली जमीनों का उपयोग किया जाए। इससे घनी आबादी और नागरिक जीवन प्रभावित नहीं होगा।

फर्स्ट स्टेकहोल्डर्स को मिले मालिकाना हक

आवेदन में मांग की गई कि यदि किसी कारण टाउनशिप की भूमि का मौद्रिकरण करना ही पड़े, तो वर्तमान मार्केट वैल्यू या कलेक्टर गाइडलाइन दर पर वहां दशकों से रह रहे पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों को ही पहले अधिकार दिया जाए। इससे शहर की अस्मिता बनी रहेगी और निवासियों का भविष्य सुरक्षित होगा। कर्मियों ने कहा कि देश को इस्पात देने वाले कर्मचारियों का आशियाना बचाने के लिए नीति आयोग इस मुद्दे पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर त्वरित और सकारात्मक निर्णय ले। आवेदन पर भिलाई इस्पात संयंत्र के समस्त पूर्व एवं वर्तमान कर्मियों के हस्ताक्षर हैं।

पुलिस की कार्रवाई : साइबर ठगी और ऑनलाइन सट्टे के म्यूल अकाउंट नेटवर्क पर किया बड़ा प्रहार

1242 खातों पर कार्रवाई, 117 खाताधारक-5 एजेंट गिरफ्तार, 3 करोड़ होल्ड

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

साइबर ठगी और ऑनलाइन सट्टे के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए दुर्ग पुलिस ने बड़ा अभियान चलाया है। 1 जनवरी 2026 से 29 जुलाई 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने 1242 म्यूल बैंक खातों की पहचान कर 18 प्रकरण दर्ज किए। कार्रवाई में 117 खाताधारक और 05 म्यूल एजेंट गिरफ्तार किए गए हैं तथा लगभग 3 करोड़ की डिस्प्यूट राशि पर होल्ड लगाया गया है।

ऐसे पकड़ा गया नेटवर्क

पुलिस मुख्यालय तकनीकी सेवा, I4C, NCRP और विभिन्न बैंकों से मिली शिकायतों के आधार पर तकनीकी-वित्तीय विश्लेषण किया गया। जांच में सामने आया कि साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश, शेयर ट्रेडिंग, ऑनलाइन गेमिंग और सट्टे की अवैध रकम को छिपाने के लिए म्यूल खातों का इस्तेमाल हो रहा था।

आरोपी कमीशन और नौकरी का लालच देकर लोगों से बैंक खाते, एटीएम, चेकबुक, सिम और इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड ले लेते थे। ठगी की रकम पहले इन खातों में जमा कर मिनटों में कई खातों में ट्रांसफर कर दी जाती थी, ताकि असली स्रोत का पता न चल सके।

2000 और संदिग्ध खातों की जांच जारी

पुलिस ने अब तक 1242 खातों पर कार्रवाई की है। तकनीकी विश्लेषण में लगभग 2000 और संदिग्ध म्यूल खाते मिले हैं, जिनके खिलाफ चरणबद्ध कार्रवाई की जा रही है। विवेचना में कुछ बैंक शाखाओं के अधिकारियों और प्रबंधकों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। संलिप्तता प्रमाणित होने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

समग्र उपलब्धि

- कुल प्रकरणः 18
- म्यूल खातेः 1242
- गिरफ्तार खाताधारकः 117
- गिरफ्तार म्यूल एजेंटः 05
- होल्ड की गई राशिः लगभग ?3 करोड़
- जप्तः एटीएम कार्ड, चेकबुक, मोबाइल, सिम, केवाईसी दस्तावेज

दुर्ग पुलिस की अपील

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि लालच में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम, सिम या ओटीपी किसी को न दें। खाता किराये पर देना भी अपराध है। यदि कोई ऐसा प्रस्ताव दे तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाने में सूचना दें। दुर्ग पुलिस ने कहा कि साइबर अपराध और ऑनलाइन सट्टे के वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अंबिकापुर : बिरला माइंड स्कूल में शर्मनाक हरकत, छात्र से मां के लिए 100 बार अश्लील गाली लिखवाई

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

शहर के ओपन बिरला माइंड इंटरनेशनल स्कूल में एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक शिक्षिका पर आरोप है कि उन्होंने एक छात्र से उसकी मां के लिए अश्लील गालियां नोटबुक में 100 से अधिक बार लिखवाईं और फिर वही नोटबुक घर ले जाकर परिजनों को दिखाने के लिए दे दी।

परिजनों की शिकायत पर मचा हड़कंप

मामला तब खुला जब छात्र नोटबुक लेकर घर पहुंचा। परिजनों ने उसमें लिखी गालियां देखकर तुरंत स्कूल प्रबंधन से शिकायत की। इसके बाद मामला सोशल मीडिया और शहर में तेजी से फैल गया। अभिभावकों और आम लोगों में इस घटना को लेकर भारी नाराजगी है।

स्कूल ने मांगी माफी, शिक्षिका सस्पेंड

विवाद बढ़ने के बाद स्कूल प्रबंधन ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए पूरे घटनाक्रम पर खेद जताया। प्रबंधन ने कहा कि इस तरह का व्यवहार संस्थान की कार्यशैली और मूल्यों के बिल्कुल विपरीत है। साथ ही संबंधित शिक्षिका को त्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। स्कूल का कहना है कि मामले की आंतरिक जांच भी कराई जा रही है।

छात्र संगठनों ने दी आंदोलन की चेतावनी

इस घटना को लेकर छात्र संगठनों ने भी कड़ी नाराजगी जताई है। संगठनों ने कहा है कि यदि दोषी शिक्षिका के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

DEO ने दिए जांच के निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग यह भी जांचेगा कि स्कूल में शिक्षकों के व्यवहार और अनुशासन संबंधी नियमों का पालन हो रहा था या नहीं।

आयोजन

साइबर सुरक्षा और रोड सेफ्टी का भी पढ़ाया पाठ, सोमनी विद्यालय में प्रतिभा सम्मान, करियर मार्गदर्शन और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का भव्य आयोजन

पुलिस अधीक्षक आईपीएस अंकिता शर्मा ने विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

"सपनों को मंज़िल तक पहुँचाने का रास्ता मेहनत और अनुशासन से होकर गुजरता है, और जब लक्ष्य बड़ा हो तो संघर्ष ही सबसे बड़ा साथी बन जाता है।""एक प्रेरक व्यक्तित्व जब विद्यार्थियों के बीच पहुँचता है, तो किताबों से बढ़कर उसके शब्द जीवन की सीख बन जाते हैं।"

शासकीय उच्च माध्यमिक शाला सोमनी (राजनांदगांव) में सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह, करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम एवं "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिले की पुलिस अधीक्षक आईपीएस सुश्री अंकिता शर्मा रहीं। उनके विद्यालय आगमन पर पूरे परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने भी बड़े ही स्नेह और आत्मीयता के साथ बच्चों का अभिवादन स्वीकार करते हुए उनसे संवाद स्थापित किया, जिससे विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और प्रेरणा देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सविता अवस्थी ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया तथा विद्यालय की शैक्षणिक, खेल एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी।

अपने प्रेरक संबोधन में पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा (आईपीएस) ने विद्यार्थियों को बताया कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि निरंतर पढ़ाई, कड़ी मेहनत, अनुशासन, संघर्ष और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं, करियर निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर विद्यार्थियों को जागरूक किया और अपील की कि वे स्वयं भी सतर्क रहें तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति जागरूक करें। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से रोड सेफ्टी के नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बैच होल्डर्स को मुख्य अतिथि द्वारा बैच पहनाकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों विद्यालय का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं, बॉक्सिंग प्रशिक्षक पीटीआई श्रीमती खिभावती भगत के मार्गदर्शन में राज्य स्तर पर स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों तथा अग्निवीर योजना में चयनित युवाओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत विद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि, प्राचार्य, शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प भी लिया गया। इस गरिमामय आयोजन में शिक्षक-शिक्षिकाएँ, अभिभावक, जनप्रतिनिधि, शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित संचालन जीडी गुरु द्वारा किया गया तथा अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

विद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम केवल प्रतिभाओं के सम्मान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा, जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध कराने वाला एक यादगार आयोजन साबित हुआ।

इस अवसर पर पत्रकार व वरिष्ठ नागरिक रमन सिंह राजपूत, जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख, योगेन्द्र प्रताप सिंह, सरपंच निलीमा साहू, उप सरपंच विजय सिंह राजपूत, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरोत्तम बंजारे, नेपाल साहू सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित स्कूल के विद्यार्थियों और ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

शासकीय स्कूल परिसर में किया पौधरोपण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव जिले की पुलिस अधीक्षक IPS सुश्री अंकिता शर्मा की ओर से ग्राम सोमनी के वरिष्ठ नागरिक पूर्व सरपंच अशोक तिवारी के हाथों रोपा गया स्कूल परिसर में एक "पेड़ मां के नाम" का पौधा।

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्कनामा की रिलीज से पहले शहनाज गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज ने अपनी आवाज और अपने अंदाज में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज दी है, वहीं अब शहनाज का स्पेशल कवर वर्जन इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नजरिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज में गाया है, जिसमें नसीमा के जज्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्जन को लेकर शहनाज गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्कनामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्जन रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्जन से भी जुड़ेंगे। 'शहनाज पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्कनामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज में महसूस करने का मौका देता है।

निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्कनामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्जन के साथ शहनाज गिल ने फैंस को इश्कनामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

'कहानी 3' में नजर आएंगी यामी गौतम

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी।

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

शूटिंग के लिए शुरू हुई तैयारी

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम 'कहानी 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रैंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन 'कहानी 3' इस फ्रैंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

एकदम नई होगी फिल्म की कहानी

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि 'कहानी' की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने रविवार को वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं। अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा - क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं। अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया। अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं। जैसे कोई न कोई माध्यम बनकर रास्ते खोल देता है और मुझे फिर से मंदिर तक पहुंचा देता है। आखिर काशी मुझे बार-बार अपनी ओर क्यों आकर्षित करती है। निवेता ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा, शायद कुछ जगह सिर्फ यात्रा की मंजिल नहीं होते। वे ईश्वर के साथ होने वाली ऐसी बातचीत होते हैं, जो वहां से वापस आने के बाद भी लंबे समय तक इंसान के मन में चलती रहती है। अभिनेत्री के इस आध्यात्मिक अनुभव को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अगले साल तक के लिए टल सकती है सलमान की फिल्म 'मातृभूमि'

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। इस फिल्म की रिलीज अप्रैल 2026 में तय की गई थी, लेकिन रीशूट और स्क्रिप्ट में बदलाव के कारण इसमें लगातार देरी हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज साल 2027 तक के लिए आगे खिसक सकती है। फिल्म के कंटेंट और चीन से जुड़े संवेदनशील संदर्भों को लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे अभी तक पूरी तरह से सुलझ नहीं पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि अगर ये समस्याएं जल्द ही हल हो भी जाती हैं, तब भी 2026 में एक उपयुक्त रिलीज स्लॉट मिलना काफी मुश्किल होगा, क्योंकि साल की ज्यादातर बड़ी और खास डेट्स पहले ही दूसरी फिल्मों द्वारा बुक की जा चुकी हैं। ट्रेड्स के मुताबिक, अगर रक्षा मंत्रालय से जुड़े सभी मुद्दे समय रहते सुलझ जाते हैं, तो मेकर्स इसे इसी साल दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने पर विचार कर सकते हैं।

'प्रहार...' में राजकुमार ने नकल नहीं, निकम की बारीकियां आत्मसात कीं

राजकुमार राव स्टारर फिल्म 'प्रहार : द उज्ज्वल निकम स्टोरी' जल्द ही रिलीज होगी। इसकी तैयारी और राजकुमार की मेथड एक्टिंग को लेकर खुद वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व पब्लिक प्रॉसिक्यूटर निकम ने खास बातें साझा कीं....

उज्ज्वल निकम बताते हैं कि 'राजकुमार राव ने पारंपरिक रिसर्च की तरह लगातार सवाल नहीं पूछे। वह लंबे समय तक सामने बैठकर केवल यह देखते थे कि मैं कैसे बैठता हूं, फाइल कैसे पकड़ता हूं और अदालत में बहस करते समय हाथों का इस्तेमाल कैसे करता हूं। राजकुमार ने मेरी नकल नहीं की, बल्कि पूरी बॉडी लैंग्वेज को आत्मसात किया। उन्होंने मुझसे सवाल कम पूछे, लेकिन मेरी हर सूक्ष्म बारिकियों को बखूबी पकड़ा।' निकम के मुताबिक, 'राजकुमार की दिलचस्पी संवाद याद करने से ज्यादा उस व्यक्तित्व को समझने में थी, जिसे उन्हें परदे पर जीना था। वह रियल लाइफ में इंट्रोवर्ट हैं लेकिन किरदार की तैयार के लिहाज से की जाने वाली हर चीज जेहन में दर्ज करते जाते हैं। खास बात ये है कि वह अनावश्यक बातचीत में समय नहीं गंवाते। यही उनकी तैयारी की सबसे बड़ी ताकत है।'

वॉइस पर भी खास मेहनत की गई

निकम का कहना है कि 'अदालत में किसी वकील की पहचान केवल कानूनी ज्ञान से नहीं, बल्कि प्रस्तुति से भी बनती है। वॉइस कब ऊंची होगी, कब धीमी होगी और किस तर्क पर कितना विराम लेना है। इन बारीकियों पर राजकुमार ने खास तौर पर विशेष मेहनत की। उन्होंने सिर्फ संवाद याद नहीं किए, बल्कि उस लय को पकड़ने की कोशिश की जिसमें मैं अदालत में दलीलें रखता हूं।'

पुराने वीडियो देखकर राजकुमार ने पकड़ी निकम की शैली

व्यक्तिगत मुलाकातों के अलावा राजकुमार ने निकम की कई पुराने दलीलों और रिकॉर्डिंग्स को बार-बार देखा। बकौल निकम, 'मैंने देखा कि वह शब्दों पर जोर, बोलने की स्पीड और चेहरे के भावों को समझने के लिए मेरे वीडियोज बार-बार देखते थे। यह किसी संवाद को याद करने का नहीं, बल्कि एक इंसान के व्यक्तित्व को आत्मसात करने का अभ्यास था।'

असली कोर्ट जाकर लाइव माहौल भी समझा

निर्देशक अविनाश अरुण के साथ राजकुमार ने वास्तविक अदालत की कार्यवाही भी देखी। निकम कहते हैं कि 'राजकुमार को असल कोर्ट में जाकर समझ आया कि कोर्टरूम फिल्मों से बिल्कुल अलग दुनिया है। वहां हर शब्द का महत्व होता है, हर प्रतिक्रिया नियंत्रित होती है।' शूटिंग के दौरान खुद सेट पर पहुंचे थे निकम, बोल दिए संवाद निकम के अनुसार, किसी व्यक्ति की हूबहू नकल करना आसान है लेकिन उसे परदे पर विश्वसनीय बनाना मुश्किल। राजकुमार ने मेरी आवाज या चाल की कॉपी करने की कोशिश नहीं की। उन्होंने मेरी सोच, प्रतिक्रिया और ऊर्जा को समझने की कोशिश की।

'द इंडिया...' का क्लाइमैक्स निभाना आसान नहीं था

श्रेयस तलपदे इन दिनों अपनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ काजल अग्रवाल भी हैं। श्रेयस ने खास बातचीत में अपने किरदार, फिल्म के विषय और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभव साझा किए...

बतौर एक्टर आपके लिए 'द इंडिया स्टोरी' की सबसे चैलेंजिंग बात क्या रही?

'द इंडिया स्टोरी' का सबसे मुश्किल हिस्सा क्लाइमैक्स का एक इमोशनल सीन था। अस्पताल के माहौल में पिता और बेटी के संघर्ष को इतनी वास्तविकता के साथ फिल्माया गया कि उसे निभाना मेरे लिए भी काफी डिस्टर्बिंग रहा। कुछ सीन कलाकार के मन में लंबे समय तक रह जाते हैं और यह उन्हीं में से एक है। हालांकि निर्देशक और पूरी टीम के सहयोग से उस चुनौती को पार कर पाया।

यह फिल्म करने के बाद आप खुद खाद्य पदार्थों को लेकर कितने सतर्क हुए हैं?

इस फिल्म के बाद मैं खुद भी ज्यादा सावधान हो गया हूं। डेयरी प्रोडक्ट्स काफी कम कर दिए हैं और कच्ची सब्जियां सीधे खाने के बजाय स्टीम करके खाता हूं। मुझे लगता है कि लोगों को कम से कम यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि जो खाना उनकी थाली में है, वह कहां से आ रहा है, उसमें कितना कीटनाशक इस्तेमाल हुआ है और वह किस स्रोत से आया है। जब उपभोक्ता जागरूक होकर सवाल पूछेंगे, तब खाद्य उत्पादकों को भी बेहतर और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

असल भीड़ के साथ शूट करने में कोई परेशानी हुई?

हमारे डायरेक्टर ने जिस तरह से सीन सेटअप किया था, जो माहौल क्रिएट किया है, वह बहुत ही रियलिस्टिक रहा। जैसे हॉस्पिटल के कुछ सीक्वेंस और कोर्ट के अंदर-बाहर के कुछ सीन सीक्वेंस हैं। वहां जितने क्राउड की जरूरत थी, उन्हें रियल में बुलाकर फिल्माया गया है। पूरे क्राउड के साथ शूट करने का फिल्म पर एक अलग ही असर होता है।

स्क्रिप्ट चुनने का पैमाना क्या है?

कहानी से एक जुड़ाव महसूस होना जरूरी है। ऐसा लगना चाहिए कि यह कहानी बतौर एक्टर मेरे पोटेंशियल को थोड़ा चैलेंज करेगी। मैं इस कहानी के जरिए दर्शकों को कुछ नया दिखा पाऊंगा। हमारे फैंस भी चाहते हैं कि हम कुछ न कुछ नया लेकर आएं। ऐसा लगता है कि कहानी दिलचस्प हो सकती है, तब उसे करने के लिए तैयार हो जाता हूं।

पहली बार काजल अग्रवाल के साथ काम की यादें और काई वाकया साझा करेंगे?

काजल बहुत सुलझी हुई, समझदार और प्रोफेशनल एक्ट्रेस हैं। सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। अगर ऐसे शानदार एक्ट्रेस हों, तब उनके होने से सामने वाले का काम बेहतर हो जाता है। ऑफकोर्स, हमारे बीच खाने, स्क्रिप्ट और बच्चों को लेकर काफी डिसकशन होते थे।

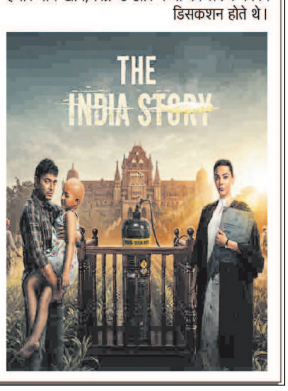

स्मार्ट मीटर से नहीं बढ़ती बिजली खपत, कवर्धा व पंडरिया संभाग के सर्वे में हुआ खुलासा

कबीरधाम जिलें के तुलनात्मक अध्ययन में जुलाई माह में बिजली खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

स्मार्ट मीटर को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों और अफवाहों के बीच छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी कबीरधाम जिले के कवर्धा एवं पंडरिया संभाग के सभी वितरण केन्द्रों के अन्तर्गत घरेलू उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित स्मार्ट मीटर की बिजली खपत का तीन माह का तुलनात्मक अध्ययन कराया है। मई, जून और जुलाई 2026 की खपत के विश्लेषण में यह सामने आया कि अधिकांश उपभोक्ताओं की बिजली खपत जुलाई माह में कम हुई है।

कवर्धा शहर क्षेत्र के 10143 घरेलू स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के अध्ययन में 1 जून से 26 जून 2026 के दौरान कुल बिजली खपत लगभग 28.24 लाख यूनिट दर्ज की गई थी, जबकि 1 जुलाई से 26 जुलाई 2026 के दौरान यह घटकर लगभग 23.62 लाख यूनिट रह गई। अर्थात कुल 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यदि 400 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ताओं की बात करें, तो 1 हजार 950 उपभोक्ताओ के बिलों के विश्लेषण से पता चलता है, कि उनकी खपत में लगभग 34.23 प्रतिशत की कमी हुई है। कारण स्पष्ट है, कि खपत का आधार स्मार्ट मीटर नहीं अपितु उपभोक्ताओं द्वारा की जा रही वास्तविक खपत है। ऐसे उपभोक्ता जिनके आवासों में स्मार्ट मीटर नहीं लगे थे उनकी खपत में भी माह अप्रैल-मई-जून में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज हुई है।

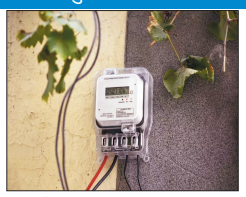

उपभोक्ता जो एसी का उपयोग करते है, जिससे इनकी खपत 400 यूनिट से अधिक होती है। उन्हें मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान योजना का लाभ नहीं मिल पाता है जिसके कारण विद्युत देयक में वृद्धि परिलक्षित होती है। परंतु जुलाई माह की सिस्टम से निकाले गए आंकड़ों में ऐसे उपभोक्ताओं की खपत में भी उल्लेखनीय कमी हुई है, जिससे माह जुलाई की खपत जिसका बिल अगस्त में आएगा की देय राशि कम होगी एवं अधिक उपभोक्ताओं को मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान योजना का लाभ प्राप्त होगा। ऐसे उपभोक्ता जिनके आवासों में स्मार्ट मीटर नहीं लगा है, की खपत में भी मई और जून के माह में विगत वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। परंतु जुलाई के माह में इसी मीटर में कम खपत दर्ज हुई है। अर्थात अधिक खपत दर्ज करने में स्मार्ट मीटर कारण नहीं है बल्कि उपभोक्ता द्वारा विद्युत उपकरणों का अधिक उपयोग है।

उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्वीकृत भार से अधिक उपयोग करने पर लगातार तीन माहों में उच्चतम मांग अधिक दर्ज होने पर बिल के साथ सप्लाई अफोर्डिंग की राशि जुड़ रही थी। इसके कारण भी उपभोक्ताओं को अधिक बिजली बिल प्राप्त हो रहा था। आगामी विद्युत देयकों के लिए यह व्यवस्था की गई है कि स्वीकृत भार से उच्चतम मांग लगातार तीन माहों में अधिक दर्ज होने पर वर्ष में केवल एक बार सप्लाई अफोर्डिंग की राशि माह दिसंबर का बिल जो कि जनवरी में जारी होगा, में देय होगी।

उपभोक्ता मोर बिजली ऐप के माध्यम से दैनिक खपत स्मार्ट मीटर लगे होने पर मोर बिजली ऐप में देख सकता है। सामान्य मीटर में भी मोर बिजली ऐप के माध्यम से मासिक खपत देखी जा सकती है, परंतु इस मीटर में दैनिक खपत का कोई आंकड़ा ऐप में दर्ज नहीं होता। उपभोक्ताओं की शंकाओं के समाधान के लिए विभाग द्वारा चेक मीटर भी लगाया जा रहा है, जिससे दोनों मीटरों में दर्ज खपत की तुलना कर समुचित निदान की व्यवस्था की गई है। अभी तक लगाये गये 175 चेक मीटरों में दर्ज खपत और स्मार्ट मीटर में दर्ज खपत में एक समान है। उपभोक्ता विद्युत बिल संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए टोल फ्री नंबर- 1912 पर संपर्क कर अपना संशय दूर कर सकता है।

उपभोक्ताओं से विनम्र अनुरोध है, कि वे स्मार्ट मीटर के संबंध में किसी भी भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें। वे मोर बिजली ऐप और स्मार्ट मीटर पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ता अपनी प्रतिदिन तथा प्रत्येक आधे घंटे की बिजली खपत स्वयं देख सकते हैं। इससे बिजली उपयोग की निगरानी और अनावश्यक खपत पर नियंत्रण आसान हो जाता है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पारदर्शिता के साथ उपभोक्ताओं को तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराती रहेगी, ताकि स्मार्ट मीटर के संबंध में किसी भी प्रकार का भ्रम दूर हो सके।

जिनके परिसर में स्मार्ट मीटर नहीं लगे है ऐसे उपभोक्ताओं के खपत का विवरण

जिनके परिसर में स्मार्ट मीटर नहीं लगे है ऐसे उपभोक्ताओं के खपत का विवरण

1. जी श्याम नगर-उपभोक्ता क्र. 101008, संयोजित भार 2 किलोवाट
अप्रैल - 2025 की खपत 170 यूनिट, अप्रैल - 2026 की खपत 405 यूनिट
मई - 2025 की खपत 181 यूनिट, मई - 2026 की खपत 574 यूनिट
जून - 2025 की खपत 210 यूनिट, जून - 2026 की खपत 561 यूनिट

2. शिक्षक नगर - उपभोक्ता क्र. 100113, संयोजित भार 3 किलोवाट
अप्रैल - 2025 की खपत 381 यूनिट, अप्रैल - 2026 की खपत 440 यूनिट
मई - 2025 की खपत 141 यूनिट, मई - 2026 की खपत 532 यूनिट
जून - 2025 की खपत 302 यूनिट, जून - 2026 की खपत 525 यूनिट

3. शिक्षक नगर - उपभोक्ता क्र. 100799, संयोजित भार 3 किलोवाट
अप्रैल - 2025 की खपत 448 यूनिट, अप्रैल - 2026 की खपत 1080 यूनिट
मई - 2025 की खपत 596 यूनिट, मई - 2026 की खपत 1089 यूनिट
जून - 2025 की खपत 414 यूनिट, जून - 2026 की खपत 763 यूनिट

जिले के कवर्धा एवं पंडरिया संभाग के चयनित 135 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं जिनकी खपत 400 यूनिट से अधिक थी, के तीन माह के तुलनात्मक अध्ययन में भी जुलाई माह में बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। अध्ययन में.जुलाई 2026 में कुल बिजली खपत 33,750 यूनिट रही, जबकि जून 2026 में यह 74,250 यूनिट तथा मई 2026 में 94,500 यूनिट थी। इस प्रकार जुलाई माह में लगभग 45 प्रतिशत की कमी खपत में दर्ज हुई है।

खास खबर

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से बदली नीलिमा देवांगन की जिंदगी

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से युवाओं को विभिन्न रोजगारपरक ट्रेडों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार एवं रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के ग्राम मोहला निवासी श्रीमती नीलिमा देवांगन ने सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

श्रीमती नीलिमा देवांगन ने जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, मोहला में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत सिलाई (टेलरिंग) कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सिलाई-कढ़ाई से जुड़े व्यावहारिक कौशल, आधुनिक तकनीकों तथा इस कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों और आवश्यक तकनीकी जानकारियों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। नीलिमा देवांगन ने बताया कि उन्हें इस प्रशिक्षण की जानकारी अपनी सहेलियों के माध्यम से मिली। इसके बाद उन्होंने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर प्रशिक्षण में प्रवेश लिया और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया। प्रशिक्षण के दौरान मिले व्यवहारिक ज्ञान और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने उनमें आत्मविश्वास का संचार किया तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की नई दिशा मिली।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उन्होंने अपने घर से ही सिलाई का कार्य प्रारंभ किया। आज वे महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न प्रकार के कपड़ों की सिलाई कर कार्य के प्रारंभिक माह से लगभग 5 से 6 हजार रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। इस नियमित आय से वे अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण सहयोग कर रही हैं। स्वरोजगार मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उनके जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। श्रीमती नीलिमा देवांगन अपनी सफलता का श्रेय कौशल विकास विभाग, जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज मोहला एवं जिला प्रशासन को देती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन का मजबूत आधार बन रही है। यह योजना न केवल युवाओं को हुनर प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होकर बेहतर भविष्य गढ़ने का अवसर भी दे रही है।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण शुरू : रोजगार, आय, ऋण, निवेश और प्रवासन से जुड़े आंकड़े जुटाए जाएंगे

खैरागढ़। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के निर्देशानुसार जिले में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ हो चुका है। यह सर्वेक्षण जुलाई 2026 से जून 2027 तक संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण, कृषि परिवारों की स्थिति का आकलन तथा प्रवासन सर्वेक्षण किया जाएगा। योजना एवं सांख्यिकी विभाग की गठित सर्वेक्षण टीम ने जिले के चयनित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया है। सर्वेक्षण के दौरान परिवारों से रोजगार, व्यवसाय, आय, ऋण, निवेश, कृषि गतिविधियों एवं अन्य सामाजिक-आर्थिक पहलुओं से संबंधित जानकारी एकत्रित की जा रही है। सभी आंकड़े टैबलेट के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे सर्वेक्षण की पारदर्शिता एवं सटीकता सुनिश्चित हो सके।

योजना एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारी ने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त सभी जानकारियां सांख्यिकी अधिनियम, 2008 के प्रावधानों के अनुसार पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। इनका उपयोग केवल सांख्यिकीय विश्लेषण तथा राष्ट्रीय स्तर पर विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण के लिए किया जाएगा। नागरिकों से अपील की है कि वे सर्वेक्षण दल को सही एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर सहयोग करें। नागरिकों के सहयोग से प्राप्त विश्वसनीय आंकड़े भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी और जरूरतों के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कलेक्टर का सख्त निर्देश : आधार आधारित उपस्थिति और ई-ऑफिस पालन अनिवार्य

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने पर दिया विशेष जोर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने मंगलवार को आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए कि अब सभी कार्यालयों में आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति और ई-ऑफिस प्रणाली का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आधार आधारित उपस्थिति होगी अनिवार्य

कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि अपने अधीनस्थ कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से ही दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों की प्रतिदिन सुबह 10 बजे से पहले तथा शाम 5:30 बजे के बाद अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज होनी चाहिए। साथ ही प्रत्येक कार्यालय दिवस में कम से कम 7 घंटे 30 मिनट की उपस्थिति सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मैन्युअल उपस्थिति पंजी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाए। नियमित रूप से निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होने वालों के विरुद्ध वेतन कटौती सहित अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ई-ऑफिस से होगा कार्यालयीन पत्राचार

कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि कार्यालयीन पत्राचार एवं फाइलों का संचालन पूरी तरह ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाए। उन्होंने कहा कि कागज आधारित फाइलों का उपयोग न्यूनतम रखा जाए, जिससे फाइलों की ट्रैकिंग आसान हो, कार्यों में पारदर्शिता बढ़े तथा अनावश्यक विलंब समाप्त हो। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रणाली अपनाने से न केवल प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आएगी, बल्कि आम नागरिकों को भी समयबद्ध और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

लंबित प्रकरणों पर जताई नाराजगी

बैठक के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों तथा धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसी स्तर पर फाइलें लंबित रहती हैं अथवा आम जनता के कार्य समय पर नहीं किए जाते हैं, तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्य करना नहीं, बल्कि निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करना है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और गति पर विशेष जोर

कलेक्टर ने जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों, प्रधानमंत्री आवास योजना, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण से संबंधित मामलों, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा अन्य निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने पर विशेष जोर दिया।

इसके साथ ही उन्होंने जनशिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक 15 दिनों में प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजें।

प्रशासन का स्पष्ट संदेश

कलेक्टर के इन निर्देशों से जिले के शासकीय कार्यालयों में समयबद्ध उपस्थिति, ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों का त्वरित निष्पादन तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण को गति मिलने की उम्मीद है। प्रशासन का मानना है कि डिजिटल कार्यप्रणाली से पारदर्शिता बढ़ेगी, जवाबदेही सुनिश्चित होगी और आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ अधिक प्रभावी एवं समय पर मिल सकेगा।

नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ पात्र हितग्राहियों को मिले योजनाओं का लाभ-कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागवार प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों को सभी निर्धारित सुविधाओं का समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिल चुका है, उनकी जानकारी का पोर्टल पर समय पर एंट्री की जाए तथा शेष पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाए। बैठक में स्थायी दिव्यांग हितग्राहियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से दिए गए प्रशिक्षण, कृषि पंप विद्युतीकरण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, यात्री किराया में 50 प्रतिशत छूट, रोजगार एवं नौकरी से संबंधित प्रकरणों, अनुग्रह राशि वितरण, भूखंड एवं आवास संबंधी सुविधाओं तथा शिक्षा एवं छात्रवृत्ति से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को हितग्राहियों का सर्वेक्षण के साथ आवश्यक जानकारी ऑनलाइन शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विशेष रूप से नौकरी प्रदान किए जाने से संबंधित प्रकरणों तथा लंबित राशि वितरण की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी विभाग संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि पुनर्वास की मुख्यधारा से जुड़े हितग्राहियों को शासन की सभी सुविधाओं का समुचित लाभ मिल सके।

मेरा युवा भारत, कवर्धा द्वारा नशा मुक्त युवा-विकसित भारत जिला स्तरीय स्पर्धा का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

मेरा युवा भारत, कवर्धा द्वारा वीर सावरकर भवन में नशा मुक्त युवा-विकसित भारत विषय पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को समाज हित में सकारात्मक दिशा प्रदान करना था। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा एवं शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा के विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमन तिग्गा तथा विशिष्ट अतिथि शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा की प्राचार्य श्रीमती कामती सिंह परिहार थीं। मुख्य अतिथि श्री तिग्गा ने उपस्थित युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने युवाओं से स्वयं जागरूक बनने और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, राज पटेल की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा ही देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रतियोगिताओं के अंतर्गत समूह नृत्य, समूह गायन, वाद-विवाद, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, स्लोगन लेखन, रील निर्माण एवं शॉर्ट फिल्म जैसी विविध विधाओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार समाज का संदेश दिया। प्रतियोगिता के जिला स्तरीय विजेता अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में कबीरधाम जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में समूह गायन में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा, समूह नृत्य में शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा, नुक्कड़ नाटक एवं वाद-विवाद में पंकज धुर्वे, चित्रकला में आयुष सिंह चौधरी तथा स्लोगन लेखन, कविता पाठ एवं रील निर्माण में आयुष सिंह ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की।

इस अवसर पर श्रीमती कामती सिंह परिहार ने युवाओं से केवल नशे से ही नहीं, बल्कि सभी प्रकार की बुरी आदतों, नकारात्मक प्रवृत्तियों और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहकर अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना कबीरधाम, विधिक सेवा प्राधिकरण, समाज कल्याण विभाग तथा सहयोगी संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मेरा युवा भारत, कवर्धा ने राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी कविता कनौजिया एवं प्रीती परिहार, संदीप सोनकर, विधिक विभाग के तुषार सिंह ठाकुर तथा समाज कल्याण विभाग के प्रति सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

समय-सीमा बैठक

एग्रीस्टेक पंजीयन, फसल बीमा, सेवा सेतु, ई-ऑफिस, शिक्षा एवं कौशल विकास योजनाओं की प्रगति पर हुई विस्तृत समीक्षा

कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की, लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए आम नागरिकों से जुड़े मामलों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। बैठक में विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने तथा नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसान पंजीयन की तहसीलवार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शत-प्रतिशत पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा की स्थिति की जानकारी लेते हुए अंतिम तिथि से पूर्व अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने पर जोर दिया। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण वितरण की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए पात्र किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिले में संचालित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने को कहा।

कलेक्टर ने सेवा सेतु के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम जनदर्शन, सीएम जनशिकायत, सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य जन शिकायतों के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की और कहा कि नागरिकों की शिकायतों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके।

बैठक में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आधार आधारित उपस्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी कार्यालय प्रतिदिन आने एवं जाने की उपस्थिति रिपोर्ट साझा करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमित एवं समय पर उपस्थिति दर्ज कराने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा फाइलों का संचालन केवल ई-ऑफिस के माध्यम से ही किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की डिजिटल व्यवस्था को पूर्ण रूप से अपनाते हुए कार्यों का त्वरित निष्पादन करें।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों को गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों के वितरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पात्र विद्यार्थियों को समय पर सामग्री उपलब्ध कराने तथा वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विद्यार्थियों को साइकिल वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने विद्यालय परिसरों में पोषण वाटिका (किचन गार्डन) विकसित करने के कार्यों की जानकारी लेते हुए लक्ष्य अनुरूप विद्यालयों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को पोषण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सके।

बैठक के अंत में कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक योजना और सेवा की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े सभी कार्यों में गंभीरता, जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखते हुए जिले में सुशासन की भावना को और मजबूत करें।

टावर लगाने के विरोध में वार्डवासियों ने मुख्य नपा अधिकारी से की शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कंपनी द्वारा टावर लगाने के विरोध में वार्ड नंबर 8 के वार्ड वासियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से शिकायत की है। वार्ड वासियों ने आवेदन में दर्शाया की नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 8 के सुंदर नगर हीरो शोरूम के पीछे मोहल्ले में जो की घनी आबादी, घरों से घिरा हुआ है उसके बीच में अचानक एक अज्ञात कंपनी द्वारा टावर लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया क्योंकि टावर लगाने से उससे निकलने वाले रेडिएशन से खतरे के कारण को ध्यान में रखते हुए, इंसान एवं पशु पक्षियों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।

वार्ड के पार्षद श्रीमती चांदनी रोशन दत्ता के द्वारा किसी भी प्रकार की लिखित या मौखिक में अनुमति नहीं दी गई है, पार्षद और वार्ड वासियों ने सीएमओ से आग्रह किया है कि इस टावर कंपनी को एनओसी न दिया जाए, यदि जबरदस्ती इस स्थान पर टावर लगाया जाएगा तो वार्ड वासियों के द्वारा इसका विरोध किया जाएगा और यदि कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका सीएमओ और टावर लगाने वाले कंपनी की होगी उन्होंने अपने आवेदन में यह भी लिखा है कि टावर कंपनी के द्वारा मोहल्ले वासियों को दादागिरी पूर्वक जवाब देने की बात लिखी है।

नगर निगम भिलाई में भ्रष्टाचार के आरोप कलेक्टर से उच्च स्तरीय जांच की मांग

जसप्रीत सिंह ने तत्कालीन आयुक्त राजीव पांडे और वर्तमान भवन अधिकारी के खिलाफ दी शिकायत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

जिला कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने मंगलवार को कलेक्टर जनदर्शन में उपस्थित होकर नगर पालिक निगम भिलाई में हुए गंभीर प्रशासनिक व वित्तीय भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और पद के दुरुपयोग का मामला उठाया। उन्होंने कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपकर मामलों की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

त्कालीन आयुक्त राजीव पांडे पर गंभीर आरोप

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि तत्कालीन आयुक्त राजीव पांडे ने अपने कार्यकाल में छुट्टियों के दौरान भी डिजिटल हस्ताक्षर (DSC) का अवैध उपयोग किया। 26 मार्च 2026 सहित अन्य अवकाश तिथियों में ी-ओ पोर्टल के माध्यम से कई फाइलों, भुगतानों और प्रकरणों को अवैध रूप से मंजूरी दी गई।

शिकायतकर्ता ने इसे इटर 2023 की धारा 316, 318 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम

1988 की धारा 13(1)(d) व 13(2) का उल्लंघन बताया। आरोप है कि इससे निगम को भारी राजस्व हानि हुई। साथ ही RTI आवेदन क्रमांक 262, 263, 264 में मांगे गए सिस्टम लॉग्स, डिजिटल रिकॉर्ड्स और अवकाश आदेशों को छुपाने का षड्यंत्र भी किया गया।

वर्तमान भवन अधिकारी पर भी अनियमितता के आरोप

शिकायत में वर्तमान भवन अधिकारी पर छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 293, 294 और भूमि विकास नियम 1984 के विपरीत नियम-विरुद्ध भवन अनुज्ञाएं जारी कर निगम को वित्तीय नुकसान पहुंचाने का आरोप है। RTI आवेदन क्रमांक 266 में गलत और गुमराह करने वाली जानकारी देकर प्रकरण दबाने का भी आरोप लगाया गया है।

जसप्रीत सिंह की प्रमुख मांगें

1. उच्च स्तरीय जांच समिति का गठनः तत्कालीन आयुक्त की अवकाश अवधि में स्वीकृत फाइलों, वित्तीय भुगतानों और DSC Audit Logs की स्वतंत्र जांच।
2. FIR दर्ज करने की मांगः जांच में अपराध सिद्ध होने पर दोषी अधिकारियों के खिलाफ BNS और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत FIR।
3. RTI अधिकारियों पर कार्रवाईः सूचना छुपाने वाले लोक सूचना अधिकारियों पर RTI अधिनियम की धारा 20 के तहत शास्ति।
4. भवन अनुज्ञाओं की विशेष जांचः वर्तमान भवन अधिकारी के कार्यकाल की समस्त स्वीकृत व निरस्त भवन अनुज्ञाओं की जांच कर कार्रवाई।

कलेक्टर ने शिकायत को जांच के लिए संबंधित विभाग को भेजने का आश्वासन दिया है।

नागपंचमी पर दुर्ग में होगा द्वादश ज्योर्तिलिंग महारुद्राभिषेक और कालसर्प दोष निवारण महायज्ञ

सतरूपा शीतला मंदिर में 17 अगस्त को भव्य आयोजन, महाप्रसाद की भी व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पावन श्रावण मास और नागपंचमी के शुभ अवसर पर दुर्ग में द्वादश ज्योतिर्लिंग महारुद्राभिषेक, रुद्रपाठ एवं कालसर्प दोष निवारण महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। माँ शक्ति स्वरूपा महिला समिति, दुर्ग के तत्वावधान में यह दिव्य अनुष्ठान सोमवार, 17 अगस्त 2026 को सतरूपा शीतला मंदिर, समृद्धि मार्केट, पद्मनाभपुर, दुर्ग में संपन्न होगा।

पूरे दिन चलेंगे अनुष्ठान

आयोजन समिति की जानकारी के अनुसार इस पावन अवसर पर भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महारुद्राभिषेक, रुद्रपाठ, विशेष पूजन-अर्चन किया जाएगा। साथ ही श्रद्धालुओं की सुख-समृद्धि, आरोग्य, पारिवारिक मंगल और लोककल्याण की कामना को लेकर कालसर्प दोष निवारण पूजा भी कराई जाएगी। पूजन के उपरांत सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद भंडारे की व्यवस्था रहेगी।

श्रद्धालुओं से अपील

आयोजन की संयोजिका डॉ. भावना दिवाकर ने बताया कि श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की आराधना का विशेष महत्व है। नागपंचमी पर होने वाला यह आध्यात्मिक अनुष्ठान श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा।

उन्होंने नगर एवं आसपास के समस्त शिवभक्तों से परिवार सहित उपस्थित होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि आयोजन में द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन, महारुद्राभिषेक, कालसर्प दोष निवारण पूजा, रुद्रपाठ और महाप्रसाद वितरण जैसे धार्मिक कार्यक्रम होंगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का पंजीयन हो चुका है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

इस अवसर पर सतरूपा शीतला मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

शिव जी अर्पण सेवा समिति ने जरूरतमंद बच्चों को गोद लेकर बांटी सालभर की शिक्षण सामग्री

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शिव जी अर्पण सेवा समिति, भिलाई नगर ने सामाजिक सरोकार का उदाहरण पेश करते हुए शासकीय उच्च प्राथमिक शाला, धनोरा के 26 जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाई है। समिति ने इन बच्चों को सालभर की आवश्यक शिक्षण सामग्री भेंट कर उनकी पढ़ाई की राह आसान की। गोद लिए गए बच्चे या तो अनाथ हैं या उन्होंने माता-पिता में से किसी एक को खो दिया है। आयोजन में बच्चों को पढ़ाई के लिए निम्न सामग्री दी गई: स्कूल बैग, 7 नोटबुक, जूते-मोजे, लंच बॉक्स, वॉटर बॉटल, पेन का डिब्बा और बारिश से बचाव के लिए छतरी। समिति का उद्देश्य है कि आर्थिक तंगी के कारण इन बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने समिति की पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि "माता-पिता के साये से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना समाज का सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।" इस अवसर पर ग्राम धनोरा की सरपंच और स्कूल की प्राचार्य ने भी समिति के प्रति आभार जताया।

सारंगढ़ प्रांजल दिव्यांग विशेष विद्यालय में श्रद्धा के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा पर्व

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

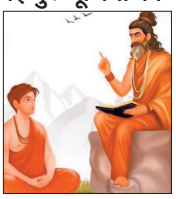

सारंगढ़ नगर संस्कारधानी स्थित प्रांजल दिव्यांग विशेष विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता हिरा देवी निराला ने की। इस अवसर पर संस्था के दिव्यांग बच्चों ने अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उनका आशीर्वाद लिया।

गुरु पूर्णिमा के महत्व पर अपने विचार रखते हुए हिरा देवी निराला ने कहा, "गुरु हमारे जीवन के सच्चे मार्गदर्शक हैं। एक गुरु ही अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। हमारे दिव्यांग बच्चे भी मेहनत और लगन से सीखकर समाज में अपना नाम रोशन कर रहे हैं, यह सब हमारे गुरुओं की देन है। हमें गर्व है कि इस संस्था के गुरु इन बच्चों को न सिर्फ शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रहे हैं।"

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गीत, कविता और के माध्यम से गुरु के प्रति सम्मान प्रकट किया। अंत में सभी गुरुओं का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में पूरा माहौल भक्तिमय रहा।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027
Deepak Advertisers

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100